मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 59
रविवार, 07 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

'नया भारत' अपनी विदेश नीति खुद तय करेगा, कोई और नहीं: फडणवीस

मुंबई, 06 सितम्बर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि कोई भी देश भारत की विदेश नीति तय नहीं कर सकता। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों को बेहद खास रिश्ता बताया था और कहा था कि वह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा था कि इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी महान हैं और दूसरे देशों के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी उन्हें महान मानते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी का नया भारत है और यह अपनी विदेश नीति खुद तय करता है। कोई भी हमारी विदेश नीति तय नहीं कर सकता। अगर कोई हमारे साथ नहीं भी आता है, तो भी हम 'विकसित भारत' बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-अमेरिका संबंधों की पुष्टि पर गर्मजोशी से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति की भावनाओं और द्विपक्षीय संबंधों के सकारात्मक आकलन की गहरी सराहना करते हैं और पूरी तरह से उनका समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की ओर आगे की ओर देखने वाला बताया।

प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक आकलन की मैं गहराई से सराहना करता हूँ और पूरी तरह से उनका समर्थन करता हूँ। भारत और अमेरिका के बीच एक बहुत ही सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। इससे पहले शुक्रवार (स्थानीय समय) को, राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक घोषणा करते हुए भारत-अमेरिका संबंधों को एक बेहद खास रिश्ता बताया और कहा कि वह और प्रधानमंत्री मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

हालांकि, उन्होंने इस बात पर नाखुशी भी जताई कि वह (प्रधानमंत्री मोदी) इस समय क्या कर रहे हैं। एएनआई द्वारा पूछे जाने पर कि श्क्या आप इस समय भारत के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए तैयार हैं?, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, मैं हमेशा ऐसा करूँगा। मैं हमेशा (प्रधानमंत्री) मोदी का दोस्त रहूँगा। वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। मैं हमेशा दोस्त रहूँगा, लेकिन मुझे इस समय वह जो कर रहे हैं, वह पसंद नहीं है। लेकिन भारत और अमेरिका के बीच एक बहुत ही खास रिश्ता है। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। बस कभी-कभी हमारे बीच कुछ खास पल आते हैं।

गुजरात के पावागढ़ मंदिर में भीषण हादसा, रोपवे का तार टूटने से 6 की मौत

गुजरात, 06 सितम्बर। गुजरात के पंचमहल जिले में पावागढ़ पहाड़ी मंदिर में रोपवे के लिए निर्माण सामग्री ले जा रही एक ट्रॉली के टूट जाने से शनिवार को छह लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उस समय घटित हुई जब कार्गो रोपवे का केबल तार टूट गया, जिससे ट्रॉली नीचे गिर गई। पंचमहल के डीएसपी हर्ष दुधात ने बताया कि पावागढ़ में रोपवे के लिए निर्माण सामग्री ले जा रही एक ट्रॉली के टूट जाने से छह लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर मौजूद हैं और बचाव एवं राहत अभियान चला रही हैं।

लगभग 800 मीटर की ऊँचाई पर स्थित इस मंदिर तक लगभग 2,000 सीढ़ियाँ चढ़कर या केबल कार के जरिए पहुँचा जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण जनता के लिए बनाया गया रोपवे सुबह से ही बंद था। चांपानेर से तीन चरणों में उभरी पावागढ़ पहाड़ी, 1,471 फीट की ऊँचाई पर एक पठार है। इसके शिखर पर देवी काली को समर्पित एक विशाल मंदिर है, जहाँ सालाना लगभग 25 लाख पर्यटक आते हैं।

वहीं, गुजरात के राजकोट जिले में शुक्रवार देर रात एक राजमार्ग पर एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) पलट जाने से इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन छात्रों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना जसदन तालुका के जंगवाड गांव के पास देर रात करीब डेढ़ बजे हुई, छात्रों का एक समूह दीव जा रहा था। अटकोट पुलिस थाने के निरीक्षक आर एस सकारिया ने बताया कि मृतकों की पहचान नरेश कोडावती (19), मोती हर्षा (17) और अफरीद सैयद (17) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सभी आंध्र प्रदेश से थे।

मोदी-ट्रंप की खास दोस्ती पर टैरिफ की चुनौती, जयशंकर बोले- संबंध अटूट

नई दिल्ली, 06 सितम्बर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हमेशा से बहुत अच्छा व्यक्तिगत संबंध रहा है। समाचार एजेंसी एएनआई ने जयशंकर के हवाले से कहा कि पीएम मोदी अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। जहां तक राष्ट्रपति ट्रंप का सवाल है, उनके और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हमेशा से बहुत अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। लेकिन मुद्दा यह है कि हम अमेरिका के साथ जुड़े हुए हैं और इस समय मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। लेकिन मैं वास्तव में यही कहूंगा। हाल के हफ़्तों में भारत-अमेरिका संबंधों में खटास तब

आई जब ट्रंप ने अमेरिका में भारतीय आयातों पर कुल मिलाकर 50% टैरिफ लगा दिया। 25% टैरिफ बेसलाइन था, लेकिन बाकी टैरिफ यूक्रेन में युद्ध के बीच भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद का हवाला देते हुए लगाया गया था। नई दिल्ली ने इस कदम को 'अनुचित' और 'अनुचित' करार दिया था। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों के सकारात्मक आकलन के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना करते हैं। ट्रंप ने शुल्क और रूसी तेल खरीद को लेकर दोनों देशों के संबंधों में तनाव के बीच कहा था कि अमेरिका और भारत के बीच एक विशेष संबंध है और वह हमेशा प्रधानमंत्री मोदी के मित्र रहेंगे। मोदी ने कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की गहराई से सराहना करते हैं और उसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक, दूरदर्शी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है।

लाल किला परिसर में धार्मिक समारोह से करोड़ों का स्वर्ण कलश चोरी, सुरक्षा पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 06 सितम्बर। दिल्ली के लाल किला परिसर में एक जैन धार्मिक आयोजन से एक बड़ी सुरक्षा चूक के तहत, दो स्वर्ण कलश और लगभग 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के अन्य कीमती सामान चोरी हो गए। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि चोर जैन पुजारी के वेश में आया और कीमती सामान लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि संदिग्ध की पहचान कर ली गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एफआईआर में कहा गया है कि चोरी की गई वस्तुओं में एक स्वर्ण कलश और लगभग 760 ग्राम वजन का एक सोने का नारियल, साथ ही हीरे, पन्ने और माणिक से जड़ी 115 ग्राम की एक छोटी सोने की झारी शामिल है। ये वस्तुएं जैन अनुष्ठानों में उपयोग की

जाती हैं, इसलिए इन्हें पवित्र माना जाता है।ये सामान व्यवसायी सुधीर जैन के थे, जो रोजाना अनुष्ठान के लिए ये कीमती सामान लाते थे। यह चोरी बुधवार को लाल किला परिसर के 15 अगस्त पार्क में आयोजित 10 दिवसीय धार्मिक आयोजन 'दसलक्षण महापर्व' के दौरान हुई। सीसीटीवी कैमरे में एक जैन पुजारी के भेष में संदिग्ध व्यक्ति कीमती सामान से भरा एक बैग लेकर भागता हुआ दिखाई दे रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, चोरी उस समय हुई जब आयोजक गणमान्य व्यक्तियों के स्वागत की तैयारियों में व्यस्त थे। जब समारोह की गतिविधियाँ फिर से शुरू हुईं, तो मंच से सामान गायब पाया गया।सुधीर जैन ने पत्रकारों को बताया कि चोर ने भीड़ का फायदा उठाया। रत्न सिर्फ.दिखावे के लिए हैं। लेकिन 'कलश' हमारी भावनाओं से जुड़ा है। हम ऐसी किसी चीज की कीमत नहीं लगा सकते। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस को सुराग मिल गया है और वे जल्द ही संदिग्ध को गिरफ़्तार कर लेंगे।

सुधीर जैन के रिश्तेदार पुनीत जैन ने आरोप लगाया कि चोर पहले भी तीन मंदिरों में इसी तरह की कोशिश कर चुका है। रिपोर्ट के बाद, पुलिस ने तुरंत मामले की जाँच शुरू कर दी और संदिग्ध की सक्रियता से तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज हासिल कर ली है जिसमें व्यक्ति की गतिविधियाँ रिकॉर्ड हुई हैं। पुलिस ने संदिग्ध की पहचान कर ली है और जल्द ही गिरफ्तारी की घोषणा की है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 303(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार डोंग में सन राइज फेस्टिवल का आयोजन करेगी : खांडू

अरुणाचल प्रदेश। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने देश के सबसे पूर्वी गांव अंजॉ जिले के डोंग में शनिवार को पांच दिवसीय सन राइज फेस्टिवल शुरू करने की घोषणा की। खांडू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राज्य के अंजॉ जिले के वालोंग में उतरा, और डोंग की ओर बढ़ा, वह स्थान जहां सूर्य की पहली किरण भारतीय धरती को छूती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव 29 दिसंबर से दो जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। यह महोत्सव आगंतुकों को उगते सूरज की भूमि में नए साल की पहली सुबह का स्वागत करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगी।खांडू ने एक पोस्ट में कहा, पर्यटन को बढ़ावा देने और साहसिक लोगों तथा प्रकृति प्रेमियों के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इस वर्ष से हम डोंग में पांच दिवसीय सन राइज फेस्टिवल का आयोजन करेंगे।

राजस्थान में रेड अलर्ट, दिल्ली और पंजाब में बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली, 06 सितम्बर। उत्तर और पश्चिम भारत के कई राज्यों में व्यापक रूप से भारी बारिश जारी है, और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) ने पूर्वी राजस्थान और गुजरात के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में शनिवार तक भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना बनी रहेगी, जिससे अचानक बाढ़ और जलभराव की चिंता बढ़ गई है। यह अलर्ट पश्चिमी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा के कुछ हिस्सों के लिए भी जारी है, जहाँ भी भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में और बारिश की भविष्यवाणी की है। उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान सहित कई राज्यों में 10 सितंबर तक मध्यम से भारी बारिश जारी रहेगी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह 8:30 बजे सापेक्ष आर्द्रता 86 प्रतिशत दर्ज की गई। आईएमडी ने शनिवार और रविवार को दिल्ली में गरज के साथ बारिश होने का पूवार्नुमान जताया है और अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़े के अनुसार, सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 70 रहा, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई

अच्छा , 51 से 100 के बीच संतोषजनक , 101 से 200 के बीच मध्यम , 201 से 300 के बीच खराब , 301 से 400 के बीच बेहद खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

पंजाब के होशियारपुर में मौजूदा बाढ़ के कारण लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की 101 किलोमीटर से अधिक की संपर्क सड़कें, पीडब्ल्यूडी के 54 किमी योजना मार्ग और 117 किलोमीटर मंडी बोर्ड सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कम से कम 141 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को नुकसान पहुंचा हैं, जहां छत, फर्श, प्लास्टर, चारदीवारी और शौचालय क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 23 गांवों में घरेलू सामान को नुकसान पहुंचने की खबर है, जिनमें से अधिकांस क्षति गढ़शंकर उपमंडल में हुई है। उपायुक्त आशिका जैन ने शुक्रवार को बताया कि इस बीच, होशियारपुर जिला प्रशासन ने श्री हरगोबिंदपुर (रारा) पुल के पास कटाव को रोकने के लिए व्यास नदी से ह्यवैज्ञानिकह्न तरीके से गाद निकालने और लगभग 13 किलोमीटर लंबे तटबंधों के निर्माण की मंजूरी मांगी है।

राजस्थान में मानसून की मूसलाधार बारिश का दौर जारी है और मौसम विभाग ने शनिवार व रविवार को राज्य के अनेक जिलों में अत्यंत भारी बारिश की चेतावनी (रेड अलर्ट) जारी की है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार कम दबाव का एक क्षेत्र (डब्लूएमएल) आज दक्षिण पूर्वी राजस्थान के ऊपर बना हुआ है। मौसम केंद्र के अनुसार इसके धीरे-धीरे आगे बढ़ने और आगामी 24 घंटे में तीव्र होकर अवदाब में बदलने की पूरी संभावना हैं।

विभाग के अनुसार इसके असर से 6-7 सितंबर के दौरान उदयपुर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में भारी से अतिभारी बारिश व कहीं-कहीं अत्यंत भारी (204 मिलीमीटर से अधिक) बारिश हो सकती है।

मौसम केंद्र ने बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर व उदयपुर जिले में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं जालोर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, राजसमंद व सिरोही जिले में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

कांग्रेस ने भागवत के तीन बच्चों वाले बयान को लेकर कटाक्ष किया

नई दिल्ली, 06 सितम्बर। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चों से संबंधित हालिया बयान को लेकर शनिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या हम दो, हमारे दो केवल मोदी सरकार पर लागू होगा।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि कुछ भाजपा शासित राज्यों में दो से अधिक बच्चे होने पर स्थानीय चुनाव लड़ने और सरकारी पद पर नियुक्ति से रोक जैसे कदम उठाए गए हैं। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, गुजरात में जिन व्यक्तियों के दो से अधिक बच्चे हैं, उन्हें स्थानीय निकायों (पंचायत, नगरपालिका और नगर निगम) के चुनाव लड़ने से अयोग्य करार

दिया जाता है। असम में जिन व्यक्तियों के दो से अधिक बच्चे हैं, वे राज्य सरकार की किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड में जिन व्यक्तियों के दो से अधिक बच्चे हैं, उन्हें पंचायत चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। रमेश का कहना है, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पांच दिन में 75 वर्ष के होने वाले है। उन्होंने प्रत्येक भारतीय दंपति से हम दो, हमारे तीन की नीति अपनाने की अपील की है। उन्होंने तंज कसते हुए सवाल किया कि क्या हम दो हमारे दो केवल मोदी सरकार पर लागू होगा? भागवत ने बीते 28 अगस्त को कहा था कि जनसंख्या को पर्याप्त और नियंत्रण में रखने के लिए प्रत्येक भारतीय परिवार में तीन बच्चे होने चाहिए। आरएसएस के सौ साल होने पर आयोजित व्याख्यानमाला के अंतिम दिन प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान उन्होंने कहा था, किसी सभ्यता को जीवित रखने के लिए, भारत की जनसंख्या नीति 2.1 (औसत बच्चों की संख्या) का सुझाव देती है, जिसका मूलतः अर्थ तीन बच्चे हैं। लेकिन संसाधनों का प्रबंधन भी करना होगा, इसलिए हमें इसे तीन तक सीमित रखना होगा।

दो वकीलों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया

इलाहाबाद। दो वकीलों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने इस साल 25 मार्च को हुई बैठक में अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी।

मेघवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ने भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का इस्तेमाल करते हुए, भारत के प्रधान न्यायाधीश से परामर्श के बाद, अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है। मौजूदा समय में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों की संख्या 160 है, जबकि वहां 84 न्यायाधीश तैनात हैं।

मातृत्व का अपमानः बिहार की राजनीति पर असर

-ललित गर्ग

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की माताजी के संबंध में कांग्रेस और राजद के मंच से जो अभद्र व अशालीन शब्द कहे गए, उसने न केवल राजनीतिक वातावरण को कलंकित किया है, बल्कि पूरे देश की संवेदनाओं को भी आहत किया है। भारत में माँ केवल एक परिवार की सदस्य नहीं होती, वह मातृत्व का प्रतीक है, करुणा और संस्कार की धारा है, जीवन की प्रथम शिक्षिका है। किसी भी माँ के लिए अपमानजनक टिप्पणी वस्तुतः संपूर्ण मातृत्व का अपमान है। इसलिए जब किसी दल के नेता राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते प्रधानमंत्री की माताजी को अपशब्द कहते हैं, तो यह प्रधानमंत्री पर नहीं बल्कि हर उस भारतीय पर चोट करता है, जिसने अपनी माँ को श्रद्धा और सम्मान के उच्चतम स्थान पर रखा है, यह भारतीय संस्कृति एवं तहजीब का भी अपमान है। यही कारण है कि यह घटना केवल राजनीतिक विवाद नहीं रही, यह एक सामाजिक-नैतिक प्रश्न बन गई है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, विपक्षी नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ. आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क एवं जनभावनाओं को आहत करने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने राजनीतिक मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? लोकतंत्र में असहमति होना स्वाभाविक है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। परंतु आलोचना और अभद्रता में बहुत बड़ा अंतर है। जब राजनीतिक संवाद विचारों, नीतियों और कार्यक्रमों से हटकर व्यक्तिगत और पारिवारिक अपमान तक पहुँच जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा पर आघात होता है। विपक्ष को सरकार की योजनाओं, उसकी कमियों या विफलताओं पर सवाल उठाने चाहिए, लेकिन यदि वे प्रधानमंत्री की माँ को निशाना बनाएँगे, तो जनता इसे राजनीतिक परिपक्वता की कमी, विकृत राजनीति और हताशा का प्रतीक ही मानेगी।

इतिहास साक्षी है कि जब-जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गाली-गलौज की गई है, तब-तब यह उनके लिए सहानुभूति और समर्थन का कारण बना है। 2014 के लोकसभा चुनाव के समय से ही अनेक अवसर आए, जब कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने मोदी पर अशालीन एवं अभद्र टिप्पणियां कीं लेकिन विपक्षी नेता अब सारी हदें लांघते हुए उन पर राजनीतिक छिद्रान्वेषण से हटकर व्यक्तिगत हमले करके, उनकी पृष्ठभूमि और उनके परिवार को लेकर अपमानजनक शब्द कह कर राजनीतिक मर्यादाओं का हनन किया है। लेकिन हर बार जनता ने इसका उत्तर मोदी के पक्ष में समर्थन देकर दिया। 2019 के आम चुनाव में भी जब अपशब्दों की बाढ़ आई, तो मोदी और भी सशक्त होकर सामने आए। जनता ने मानो यह संदेश दे दिया कि जो व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत गरिमा और पारिवारिक मर्यादा का स्वयं उत्तर नहीं देता, बल्कि मौन रहकर केवल अपने विकास के कार्यों से जवाब देता है, वही उनकी सहानुभूति का अधिकारी है। यही कारण है कि मोदी पर गाली की हर चोट उनके समर्थन को और व्यापक बना देती है। मोदी को कोई भी गाली कमजोर नहीं कर सकती।

भारतीय मतदाता भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। वह केवल तर्क और आँकड़ों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि उसके निर्णय में संवेदनाएँ और संस्कार भी बराबरी से भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री की माता जी पर की गई टिप्पणी ने इस संवेदनशीलता को झकझोर दिया है। भारतीय समाज के लिए माँ केवल परिवार की धुरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक भी है। इसीलिए, जब माँ पर आघात हुआ, तो जनता ने इसे मोदी के परिवार का नहीं बल्कि अपने परिवार का अपमान माना। यह भावनात्मक जुड़ाव विपक्ष की रणनीति को उल्टा कर देता है और मोदी के लिए जनसमर्थन का कारण बन जाता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से चल रहा है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। एक समय राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को केवल गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। लेकिन आज कांग्रेस मोदी के खिलाफ काफी कुछ बोल चुकी है, कभी रावण तो कभी नीच, कातिल, शैतान, मौत का सौदागर जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया है। जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो लम्बी सूची है। चाहे सानिया हो या राहुल, चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम, खडगे और प्रियंका गांधी। इन नेताओं ने बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

बिहार के चुनावी परिदृश्य पर इस घटना का गहरा असर पड़ना स्वाभाविक है। यहाँ की राजनीति पहले से ही जातीय समीकरणों, आर्थिक पिछड़ेपन और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों में उलझी हुई है। विपक्ष अपने लिए जगह बनाने के लिए संघर्षरत है, परंतु वह जनता को कोई ठोस और विश्वसनीय विकल्प देने में असफल रहा है। ऐसे में जब उसके नेता अभद्रता पर उतर आते हैं, तो जनता का विश्वास और भी कम हो जाता है। वह सोचने लगती है कि जिन नेताओं के पास शब्दों की गरिमा और तर्क का बल नहीं है, वे शासन और प्रशासन की मर्यादा कैसे संभालेंगे? इसीलिए, बिहार की जनता ऐसी अभद्रता का समर्थन नहीं करेगी और इसका सीधा असर विपक्ष की चुनावी संभावनाओं पर पड़ेगा। यह भी एक गहन प्रश्न है कि विपक्ष आखिर किस हद तक गिरेगा? क्या लोकतंत्र अब केवल गाली-गलौज और व्यक्तिगत अपमान तक सीमित रह जाएगा? क्या राजनीति में विचारों और सिद्धांतों की जगह अब विकारों और अशालीनता ने ले ली है? यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है।

प्रधानमंत्री मोदी पर गाली-गलौज की हर घटना उनके व्यक्तित्व को और दृढ़ बनाती है। वे स्वयं बार-बार कहते रहे हैं कि उन्हें जितनी गालियाँ मिलेंगी, वे उतनी ही शक्ति से देश सेवा में लगेंगे। उनके इस धैर्य और संयम ने उन्हें जनता के बीच एक अलग पहचान दी है। जनता यह अनुभव करती है कि जो व्यक्ति व्यक्तिगत अपमान को भी सह लेता है, लेकिन जनता की सेवा से विचलित नहीं होता, वही सच्चा नेतृत्वकर्ता है। यही कारण है कि उनके विरोधियों की अभद्रता अंततः उन्हीं पर भारी पड़ती है। विपक्ष को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सफलता केवल आलोचना से नहीं मिलती, बल्कि वैकल्पिक नीतियों और रचनात्मक दृष्टि से मिलती है। केवल मोदी विरोध करना ही राजनीति का उद्देश्य नहीं हो सकता। जनता को चाहिए कि विपक्ष विकास की कोई ठोस योजना प्रस्तुत करे, रोजगार और शिक्षा की स्थिति सुधारने का मार्ग दिखाए, स्वास्थ्य और किसान समस्याओं पर गंभीरता से बात करे। यदि वे यह सब नहीं कर सकते और केवल गाली-गलौज की राजनीति करेंगे, तो उनका हश्र वही होगा जो बार-बार होता आया है। जनता उन्हें नकार देगी और उनके अपशब्द मोदी के लिए समर्थन की नई ऊर्जा बनेंगे। यदि विपक्ष अपनी भाषा और व्यवहार पर संयम नहीं रखेगा, तो न केवल उसकी साख गिरेगी बल्कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी आहत होगी।

पितृ ऋण का निर्वहन और भारतीय आत्मा

पितृ पक्षः स्मृति, श्रद्धा और संस्कारों का अमर उत्सव

पितरों की छाया, हर पीढ़ी की सांसों में रची है, श्राद्ध की अर्पण धारा, आशीष बनकर बही है। जी हां, भारतीय संस्कृति में ह्यऋण की अवधारणा अत्यंत गहन और दार्शनिक है। मनुष्य तीन प्रकार के ऋणों के साथ जन्म लेता है, देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण। देवताओं की पूजा से देव ऋण चुकता होता है, ज्ञानार्जन और आचरण से ऋषि ऋण निवृत्त होता है और पितरों की स्मृति, तर्पण, श्राद्ध और पिण्डदान से पितृ ऋण का निर्वहन संभव है। इन्हीं कारणों से भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन मास की अमावस्या तक का समय पितृ पक्ष या श्राद्ध पक्ष कहलाता है। यह कालखंड केवल धार्मिक अनुष्ठान का अवसर ही नहीं, बल्कि पारिवारिक कृतज्ञता, स्मृति और आत्मीयता का पर्व भी है। पितृ पक्ष का वर्णन महाभारत, गरुड़ पुराण, मनुस्मृति, मत्स्य पुराण और अग्नि पुराण तक में मिलता है। कहा गया है,

यः पितृणां न करोत्यर्चां श्राद्धं वा विधिपूर्वकम।

तस्य पुत्राः प्रहीयन्ति पितृणां च न तुष्यति।।

अर्थात, जो व्यक्ति अपने पितरों का श्राद्ध नहीं करता, उसके पुत्र-पौत्र भी कष्ट भोगते हैं और पितर कभी संतुष्ट नहीं होते। श्राद्ध संस्कृत शब्द है। पितरों के प्रति श्रद्धापूर्वक किए गए कर्म ही श्राद्ध कहलाते हैं। पितृ पक्ष केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण काल है। इस समय सूर्य कन्या राशि में और चंद्रमा पितृ लोक से संबद्ध नक्षत्रों से जुड़ा होता है। भाद्रपद पूर्णिमा से अमावस्या तक चंद्रमा क्रमशः क्षीण होता है। क्षयमान चंद्रमा को पितरों का प्रतीक माना गया है। ज्येष्ठा, मघा और मूल जैसे नक्षत्र विशेषकर पितृ तर्पण हेतु शुभ माने गए हैं। मघा नक्षत्र तो स्वयं पितृगणों का प्रतीक है। अष्टमी, नवमी और अमावस्या को श्राद्ध करना विशेष फलदायी है। महालय अमावस्या को समस्त पितरों के लिए सामूहिक श्राद्ध करने की परंपरा है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि यदि पितरों का श्राद्ध न किया जाए तो आत्माएं असंतुष्ट होकर वंशजों को दुःख देती हैं। महाभारत में भीष्म ने कहा कि ह्लपितर ही हमारे अदृश्य संरक्षक हैं।ह्व मनुस्मृति के अनुसार, पितरों की तृप्ति से देवताओं की कृपा मिलती है। पितृ पक्ष केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का उत्सव भी है। यह हमें अपने पूर्वजों की स्मृति से जोड़ता है। परिवार में बुजुर्गों के महत्व को रेखांकित करता है। समाज में दान-पुण्य और सहानुभूति की परंपरा को मजबूत करता है। इसे पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण माना गया है क्योंकि इस समय पीपल, तुलसी और जल संरक्षण का विशेष महत्व बताया गया है।

पितृ पक्ष की अनेक कथाएंः-

दानवीर का भूखा स्वर्ग

महाभारत में वर्णन है कि युद्ध के बाद जब कर्ण स्वर्ग पहुंचे, तो उन्हें केवल सोना और आभूषण मिले, अन्न का एक कण भी नहीं। उन्होंने पूछा, यह क्यों? यमराज का उत्तर था पृथ्वी पर तुमने सबको सोना दिया, पर अपने पितरों के लिए कभी अन्न का श्राद्ध नहीं किया। तब कर्ण को एक वर्ष के लिए पृथ्वी पर लौटकर श्राद्ध करने का अवसर मिला। यही कथा पितृ पक्ष की उत्पत्ति का आधार बनी।

यमराज और सूर्य कथा

पुराणों में वर्णन है कि जब सूर्यपुत्र यम को अपनी माता संज्ञा ने शाप दिया कि कोई भी स्त्री तुम्हारी पूजा नहीं करेगी, तो वे व्यथित होकर भगवान सूर्य के पास गए। तब सूर्य ने वरदान दिया कि भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से अमावस्या तक यदि कोई अपने पितरों का श्राद्ध करेगा तो यमराज स्वयं उसके पितरों को तृप्त करेंगे और श्राद्धकर्ता को आयु,

भारतीय संस्कृति का स्वरूप केवल परंपराओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह कृतज्ञता की एक शाश्वत गाथा है। यहां हर मनुष्य अपने जीवन में तीन ऋण लेकर जन्मता है, देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण। इनमें से पितृ ऋण वह अनिवार्य बंधन है, जो हमें अपने पूर्वजों, अपने कुल और अपने परिवार की जड़ों से जोड़ता है। पितृ पक्ष, या श्राद्ध पक्ष, उसी बंधन को स्मरण करने का पर्व है, जहां श्रद्धा और संस्कार की ज्योति जलाकर हम अपने पुरखों की आत्मा का वंदन करते हैं। मतलब साफ है पितृ पक्ष केवल कर्मकांड नहीं, यह हमारी जड़ों से पुनः संवाद का समय है। यह हमें स्मरण कराता है कि हम अकेले नहीं, बल्कि एक परंपरा की श्रृंखला हैं। पितरों के आशीर्वाद से ही वंश आगे बढ़ता है, और जीवन की दिशा तय होती है। इस अमावस्या की गहराई में, जब दीपक जलते हैं और पितरों का स्मरण होता है, तब लगता है मानो समय की धारा रुककर हमें अपने अतीत की गहराईयों से मिला रही हो

आरोग्य और संतान सुख का आशीर्वाद मिलेगा।

श्राद्ध पक्ष की तिथियां और महत्त्व

पितृ पक्ष 16 दिन का होता है। प्रत्येक तिथि किसी न किसी पितृ के लिए समर्पित मानी जाती है। प्रतिपदा से त्रयोदशी तक, जिनकी मृत्यु जिस तिथि को हुई हो, उसी दिन उनका श्राद्ध किया जाता है। चतुर्दशी - दुर्घटनाग्रस्त, असामयिक या अकाल मृत्यु को प्राप्त व्यक्तियों का श्राद्ध। अमावस्या (महालय) समस्त पितरों का सामूहिक श्राद्ध। महाभारत में भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को यही बताया था कि श्राद्ध अमावस्या को सर्वश्रेष्ठ होता है।

आरंभः 7 सितम्बर 2025 (रविवार) पूर्णिमा श्राद्ध

समापनः 21 सितम्बर 2025 (रविवार) सर्वपितृ अमावस्या (महालय)

दिन-प्रतिदिन श्राद्ध तिथियां

7 सितम्बरः पूर्णिमा श्राद्ध
8 सितम्बरः प्रतिपदा
9 सितम्बरः द्वितीया
10 सितम्बरः तृतीया, चतुर्थी
11 सितम्बरः पंचमी (महा भरनी)
12 सितम्बरः षष्ठी
13 सितम्बरः सप्तमी
14 सितम्बरः अष्टमी
15 सितम्बरः नवमी
16 सितम्बरः दशमी
17 सितम्बरः एकादशी
18 सितम्बरः द्वादशी
19 सितम्बरः त्रयोदशी एवं मघा श्राद्ध
20 सितम्बरः चतुर्दशी (अकाल मृत्यु श्राद्ध)
21 सितम्बरः सर्वपितृ अमावस्या

श्राद्ध और तर्पण की विधि

श्राद्ध कर्म अत्यंत विधिपूर्वक किया जाता है। पवित्र स्थल जैसे नदी तट, पीपल वृक्ष के नीचे या अपने घर के आंगन में। कुश, तिल, जल, दूध, शहद, अक्षत, पका हुआ अन्न, पका फल। कुश की अंगूठी बनाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके तिल और जल से तर्पण किया जाता है। चावल, जौ, तिल और घी मिलाकर पिण्ड बनाए जाते हैं और पितरों को अर्पित किए जाते हैं। श्राद्ध के उपरांत ब्राह्मणों और गरीबों को भोजन कराया जाता है। इसे ही पितरों को संतुष्ट करने का श्रेष्ठ माध्यम माना गया है।

पितृ दोष और ज्योतिषीय समाधान

ज्योतिष के अनुसार यदि कुंडली में पितृ दोष हो तो व्यक्ति को जीवन में बाधाएँ आती हैं। विवाह में विलंब, संतान सुख की कमी, आर्थिक हानिकृये लक्षण बताए गए हैं।

उपाय

पितृ पक्ष में श्राद्ध और तर्पण करना। पीपल वृक्ष की पूजा। गरीबों और गौ-संरक्षण हेतु दान। गीता, गरुड़ पुराण का पाठ।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पितृ पक्ष

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर पितृ पक्ष को केवल एक औपचारिक कर्मकांड मानने लगे हैं। किंतु यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी जड़ें कितनी गहरी हैं। पितरों का आशीर्वाद ही वंश की उन्नति और सुख-समृद्धि का आधार है। आधुनिकता में भी लोग घरों में सामूहिक श्राद्ध, ब्राह्मण भोजन और गौसेवा के रूप में इसे निभाते हैं। गया जी, बनारस, प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार आदि स्थलों पर पितृ पक्ष के अवसर पर लाखों लोग पिण्डदान करते हैं। भारतीय साहित्य में पितृ पक्ष की छाप स्पष्ट दिखाई देती है। संस्कृत के कवि, हिंदी के भक्तिकालीन कवि और आधुनिक साहित्यकारकृ, सभी ने पितरों की स्मृति और आशीष को अपने लेखन में स्थान दिया है। तुलसीदास ने रामचरितमानस में माता-पिता और पूर्वजों के आशीर्वाद को सर्वोपरि बताया। मुंसी प्रेमचंद ने पितृ भक्ति को भारतीय परिवार की रीढ़ कहा।

पितृ पक्ष का शाश्वत संदेश

पितृ पक्ष केवल 16 दिनों का अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है, हम केवल अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पितरों और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जी रहे हैं। कृतज्ञता और स्मरण ही हमारी संस्कृति की आत्मा है। जीवन क्षणभंगुर है, परंतु परंपराएं अमर हैं। अतः पितृ पक्ष हमें यह अवसर देता है कि हम अपने पूर्वजों को स्मरण करें, उनके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करें और उनके आशीर्वाद से अपने जीवन को सार्थक बनाएं।

ग्रह-नक्षत्र और खगोलीय संगति

पितृ पक्ष केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि खगोलीय ऊर्जा का विशेष समय है। सूर्य इस दौरान कन्या राशि में रहता है। चंद्रमा कृष्ण पक्ष में घटता हैकृजिसे पितृ लोक से जुड़ा माना गया है। मघा नक्षत्र तो स्वयं पितरों का प्रतीक है। इस पक्ष में कुतुप मुहूर्त (11:45 से 12:40) और रोहिणी मुहूर्त श्राद्ध के लिए अत्यंत शुभ हैं।

तर्पणः कुश की अंगूठी धारण कर दक्षिण दिशा की ओर मुख कर-के तिल, जल और अक्षत से तर्पण। ह्लउॐ पितृभ्यः स्वधा नमःह्ल मंत्र का जप करते हुए जल अर्पण।

पिण्डदान

चावल, जौ, तिल और घी से बने पिण्ड पितरों को अर्पित। यह केवल अन्नदान नहीं, बल्कि आत्मा से आत्मा का संवाद है।

ब्राह्मण भोजन और दान

ब्राह्मणों, निर्धनों और गौ को भोजन करानाकृयही पितरों की वास्तविक संतुष्टि का माध्यम है।

पवित्र स्थल

गया, वाराणसी, प्रयागराज, हरिद्वार जैसे तीर्थों पर पिण्डदान का विशेष महत्व है। विशेषकर गया के फल्गु तीर्थ पर पिण्डदान को मोक्षदायी माना गया है।

सांस्कृतिक और सामाजिक आयाम

पितृ पक्ष हमें परिवार और वंश की स्मृति से जोड़ता है। दान, सहानुभूति और सेवा की संस्कृति को पुनः जीवित करता है। यह पीढ़ियों को एक सूत्र में पिरोने वाला पर्व है।

भारत की चिप क्रांति : सपनों से साकार होती हकीकत

उम्मीदों की चिप ने दिए आत्मगौरव और नवाचार को पंख

भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है। भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने केवल सपने नहीं रह गए हैं, बल्कि नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निमार्ता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है।

चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, स्मार्ट यंत्र, वाहन, रेल, हवाई जहाज, रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तक—हर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा। भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन, ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाजार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बीते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया। इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की। अरबों डॉलर के निवेश प्रस्ताव आए और अनुसंधान संस्थानों को सीधे इस अभियान से जोड़ा गया।

कोविड महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर कर दिया। जब चीन और ताइवान के कारखाने ठप पड़े तो पूरी दुनिया में मोबाइल, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का संकट खड़ा हो गया। कीमतें बढ़ीं, उत्पादन ठप हुआ और उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उस कठिन दौर में भारत ने महसूस किया कि तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता का भी प्रश्न है। तभी भारत ने यह अवसर पहचाना और अपने को आपूर्ति श्रृंखला का विश्वसनीय केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए।

वर्ष 2025 में चीन के तियानजिन नगर में सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। भारत ने यहाँ अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभ प्रस्तुत किए। भारत ने कहा कि तकनीक केवल व्यापार और उद्योग का विषय नहीं, बल्कि साझा सुरक्षा, स्थायी संपर्क और सामूहिक अवसर का आधार है। सेमीकंडक्टर विकास और डिजिटल नवाचार को सामूहिक प्राथमिकता बनाने का भारत का आह्वान इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। तियानजिन घोषणा पत्र में भारत की यह दृष्टि परिलक्षित हुई, जिससे यह प्रमाणित हो गया कि विश्व समुदाय भारत के बढ़ते तकनीकी महत्व को स्वीकार कर रहा है। भारत ने इस प्रयास को केवल उद्योग तक सीमित नहीं रखा है। शिक्षा संस्थानों, अनुसंधान केन्द्रों और स्टार्टअप्स को भी इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। आईआईटी, एनआईटी और अन्य विश्वविद्यालयों में चिप डिजाइनिंग, नैनोटेक्नोलॉजी और एंबेडेड सिस्टम से जुड़े पाठ्यक्रम आरम्भ किए गए हैं। युवाओं को अनुसंधान और नवाचार की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है। इस प्रकार आने वाली पीढ़ी को तकनीकी नेतृत्व सौंपने की ठोस तैयारी की जा रही है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत का यह अभियान रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास का भी आधार बनेगा। अनुमान है कि आने वाले दस वर्षों में इस क्षेत्र से दस लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। निर्माण, डिजाइनिंग, परीक्षण और वितरण के स्तर पर नये उद्योग और स्टार्टअप्स उभरेंगे। यह केवल तकनीकी विकास नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी ऐतिहासिक कदम होगा।

इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। रक्षा उपकरणों और उपग्रह तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ने से भारत की रणनीतिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा में भी भारत का प्रभाव बढ़ेगा। स्पष्ट है कि चिप निर्माण केवल उद्योग की आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता से भी गहरे रूप से जुड़ा है। हालाँकि, चुनौतियाँ अभी भी शेष हैं। बिजली और जल की सतत आपूर्ति, अनुसंधान में निरंतर निवेश, वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा और पर्यावरणीय संतुलन जैसी बाधाएँ इस यात्रा को कठिन बना सकती हैं। किंतु सरकार, उद्योग और समाज के संयुक्त प्रयास से इन चुनौतियों का समाधान अवश्य होगा। भारत ने जिस आत्मविश्वास और संकल्प के साथ इस यात्रा का आरम्भ किया है, उससे यह स्पष्ट है कि वह पीछे मुड़कर देखने वाला नहीं। आज भारत की चिप क्रांति केवल तकनीकी आत्मनिर्भरता की कहानी नहीं, बल्कि यह आत्मगौरव, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की महागाथा भी है। उम्मीदों की चिप सचमुच हौसलों को पंख दे चुकी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व व्यवस्था को बदला, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप और तकनीक वैश्विक नेतृत्व का निर्धारण करेगी। भारत ने इस क्षेत्र में अपने कदम दृढ़तापूर्वक बढ़ा दिए हैं और अब उसका सपना धीरे-धीरे साकार होता दिख रहा है। **- डॉ सत्यवान सौरभ**

बुद्धिबेचकों का षड़यंत्र, दुर्जनों का पाखण्ड पर्दा

इतिहास और सत्य में कहीं कोई मिलावट नहीं होती। ये जैसे होते हैं वैसे ही समुदाय के सामने परोसना चाहिए ताकि वर्तमान को हमेशा पुराने अनुभवों का लाभ मिले। इंसान की कुल औसत आयु का अधिकांश समय पढ़ाई-लिखाई और घर-गृहस्थी या सांसारिक प्रपंचों में गुजर जाता है। उसे ज्ञान और अनुभव पाने के लिए बहुत सारा समय चाहिए लेकिन मिलना संभव नहीं है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य के लिए श्रेयस्कर यही रहता है कि पुरानी पीढ़ी के अनुभवों और ज्ञानराशि की जानकारी मिले ताकि वह सीख और सबक के साथ अपना जीवन सँवार सके। इस दृष्टि से इतिहास, पुराने समय की हलचलों, लोगों के व्यक्तित्व और प्रभावों से भिज्ञ होना नितान्त जरूरी है। लेकिन हमारा समुदाय, परिवेश, ज्ञानवान विद्वान एवं अनुभवी लोगों के लोक व्यवहार की थाह पाना एक सीमा तक ही संभव है क्योंकि अधिकांश लोग भूत को भुलाते हुए वर्तमान में जीना अधिक पसन्द करते हैं। हममें से कुछ फीसदी को छोड़ दें तो तकरीबन सारे ही इस स्थिति में दिन काट रहे हैं। हमारा, समाज और देश का दुर्भाग्य है कि हमें यही सिखाया गया है कि पुरानी बातों को याद न करें और आगे बढ़ते रहें। यही वह बहुत बड़ी वजह है कि हमारी वर्तमान पीढ़ी पुरानी पीढ़ी के ज्ञान और अनुभवों से रूबरू नहीं हो पा रही है। और इससे भी बड़ा दुर्भाग्य यह कि हमें आलोचना और निन्दा के बीच के फर्क को कभी समझाया नहीं गया।

देश के धूर्त, ढोंगी और मक्कार बुद्धिजीवियों की यह चालाकी रही है कि उन्होंने बुरे और वर्जित कर्मों, कटु अनुभवों, अनाचार, व्यभिचार, भ्रष्टाचार, पैशाचिकता और अमानवीयता से लेकर उन सभी दुर्गुणों को निन्दा की श्रेणी में डालकर इन पर चर्चाएं करने पर पाबन्दी ही लगा दी है। इस वजह से समाज और देश में दुष्ट बुद्धि के आसुरी लोगों के कुकर्मों पर हमेशा परदा ढका रहता है। कोई इनका जिक्र कर वर्तमान पीढ़ी को आगाह भी करना चाहे तो साफ-साफ कह दिया जाता है कि किसी की भी निन्दा न करें, इससे महापाप का भागी होना पड़ता है।

यहां तक कि समाज और देश की दुर्दशा करने वाले, महाभ्रष्ट, राक्षसी स्वभाव वाले, अनाचार, अत्याचार और लूट-खसोट जैसी आदत वालों की मौत के बाद कोई इनकी असलियत सभी के सामने रखना चाहे तो उसे भी यह कहकर रोक दिया जाता है कि मरने वाले के बारे में कोई जिक्र या निन्दा नहीं करनी चाहिए। वर्तमान पीढ़ी अपने व्यक्तित्व विकास और समाज तथा देश के उत्थान के लिए समर्पित होकर काम करना चाहती है। और वह यह भी चाहती है कि हमसे पहले के लोगों ने जो कुछ खोटे करम किए हैं, उनकी जानकारी पाकर इनसे सबक लेकर तथा उनके अच्छे कामों से सीख लेकर आगे से आगे बढ़ा जाए। लेकिन ऐसा हो नहीं पाता।

इसका मूल कारण यह है कि समाज में सज्जनों को संरक्षण देने की बजाय दुर्जनों की गलतियों, कुकर्मों और पाखण्ड पर हमेशा परदा डाले रखने की मंशा से सत्याभिव्यक्ति को निन्दा की श्रेणी में डाल दिया गया है। जबकि शाश्वत सत्य यह है कि किसी गलत को गलत कहा जाए, वह आलोचना की श्रेणी में आता है, इसका कोई पाप नहीं है बल्कि यह सभी का कर्तव्य है। जबकि अच्छे को गलत कहा जाए, उसे निन्दा माना जाता है। चतुर सुजान बुद्धिजीवियों ने स्वयं तथा पुरानी पीढ़ी के कुकर्मियों की गलतियों को ढके रखने की गरज से इसे निन्दा के पाले में डाल दिया है। और तो और मौलिक सच्चाई को अभिव्यक्त करें तो इसे नकारात्मक मनोवृत्ति की संज्ञा दे डालने में भी लोग पीछे नहीं रहते। दुश्चरित्र नरपिशाच सच्चाई को न सुनना चाहते हैं, न देखना। इनका जीवन भर का एकसूत्री एजेण्डा यही रहता है कि वे चाहे जो खोटे कर्म, भ्रष्टाचार, पापाचार, कमीशनखोरी, अत्याचार, अनाचार, चोरी-डकैती, लूट-खसोट, अतिक्रमण, डयूटीचोरी आदि सभी संभव कुकर्म करते हुए धन-वैभव, भोग-विलासिता और मिथ्या प्रतिष्ठा प्राप्त करते रहें, उन्हें कोई कुछ कहने वाला न हो। वे नॉन स्टॉप मानवता की हत्या करते रहें। न उन्हें कोई कुछ कहे, न उनके संगी साथियों को। जैसा हो रहा है, होने दो, जैसा चल रहा है चलने दो। जरा कहीं कोई सच्चाई सामने रख दे तो भड़क जाते हैं, कुत्तों की तरह भौंकाल मचा देते हैं, और माहौल इतना अधिक बिगाड़ देंगे कि इनके जैसे सारे पाखण्डी और पापाचारी एक होकर पीछे पड़ जाएंगे। और उलाहना देते रहेंगे - जैसा हो रहा है होने दो, तुम्हारे बाप का क्या जाता है, नकारात्मकता और निन्दा अच्छी बात नहीं है। कोई यह नहीं कहता कि सत्योद्घाटन होने के बाद उनमें अक्ल आ गई है और अब धूर्त्तता, मक्कारी और भ्रष्टाचार नहीं करेंगे। समाज, क्षेत्र और देश में हर कहीं जिन्दगी भर नकारात्मक काम, अपराध और पापाचार करते रहने वाले लुच्चे-लफंगे और टुच्चे लोग सत्य सामने आने पर इसी तरह प्रतिक्रियावादी हो उठते हैं।

उनसे कोई पूछे कि जो लिखा जा रहा है उसमें असत्य क्या है? तो वे उत्तर देने की बजाय यह नसीहत देते हैं कि नकारात्मकता और निन्दा से बचना चाहिए। हमारी पुरानी पीढ़ियों में भी ऐसे तटस्थ और मूकद्रष्टाओं की कोई कमी नहीं थी जिन्होंने कभी भी सच को सामने नहीं आने दिया, कुकर्मियों के पाखण्ड पर परदा डालते रहे और इसी वजह से आज समुदाय, क्षेत्र और देश में कुप्रथाएं, अनाचार और व्यभिचार बढ़ता जा रहा है। अपराधियों, दुराचारियों और स्वार्थों में जीने वाले इन्हीं बुद्धिबेचकों के कारण झूठे-मक्कार, बेईमानों और भ्रष्टाचारियों को प्रश्रय भी मिलता रहा है और सम्मान-प्रतिष्ठा भी। तटस्थ और मूकद्रष्टा होकर अनाचार और अत्याचार करने और चुपचाप देखते रहने वालों के कारण ही देश की दुर्गति हो रही है। जहां जो गलत, नीतिविरूद्ध, धर्म और शास्त्र विरूद्ध और मानवीय संस्कारों के विरूद्ध हो, उसे निर्भयतापूर्वक समाज के समक्ष रखना साहस और चिन्तन भरा कार्य है, और जो ऐसा कर पा रहे हैं वही वस्तुतः इंसान हैं। शेष या तो निर्वीर्य नपुंसक हैं, या वर्णसंकर, पशुबुद्धि श्वानवंशीय या किसी न किसी आका के पाले हुए पालतू।

- डॉ. दीपक आचार्य

श्रद्धा और भावुक मन से डॉ मंजू लोढ़ा ने की बप्पा की विदाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बप्पा की विदाई के भाव दुख भरे होते हैं, जिसमें भक्तों में एक तरफ तो अगले वर्ष बप्पा के आगमन की आशा रहती है, वहीं दूसरी तरफ अगले वर्ष आने तक बप्पा के घर में न होने का गम भी होता है। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के दक्षिण मुंबई आवास लोढ़ा वर्ल्ड वन स्थित वन लोढ़ा प्लेस में स्थापित गणपति बप्पा का विसर्जन उनकी धर्मपत्नी तथा देश की वरिष्ठ साहित्यकार डॉ मंजू लोढ़ा ने किया। इस अवसर पर वे काफी भावुक नजर आ रही थी। उन्होंने कहा कि बप्पा के आशीर्वाद से हम सभी सुरक्षित और खुशहाल हैं।

माटुंगा पूर्व भट्ट भूवन में स्थापित बप्पा का दर्शन करने पहुंचे भक्तगण

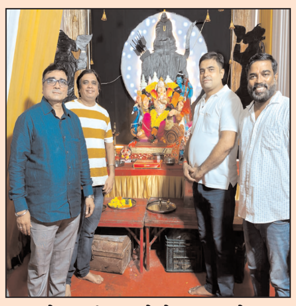

राजकुमार अग्रहरि/मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का शुभारंभ हो चुका है। मराठी समाज के साथ उत्तर भारतीय समाज व गुजराती समाज के बीच भी गणेशोत्सव त्योहार को लेकर जोश और उत्साह दिखाई दे रहा है। मुंबई में ही लाखों लोग अपने घर में बप्पा की स्थापना की है। ढेर दिन से लेकर सात दिनों तक तथा 11 दिनों तक स्थापित बप्पा के दर्शन करने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। माटुंगा पूर्व भट्ट भूवन में रिद्धि सिद्धि गणेश मित्र मंडल में स्थापित गणपति बप्पा की भव्य मूर्ति स्थापित है। बड़ी संख्या में लोग पहुंच कर दर्शन कर रहे हैं। कल दर्शन करने बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जिसमें मंडल के अध्यक्ष योगी अशोक त्रिवेदी, कपील भाई दर्जी, हिम्मत भाई झाला, विजय भाई परमार, पत्रकार राजकुमार अग्रहरि, जगदीश परमार, विराज अणावकर, शालिनी अयर, फूल चंद मिश्रा, लीलावति मिश्रा, दिपा अणावकर, सीमा , रश्मि आंनद दुबे, पायल, दक्ष कपिल दर्जी, शिक्षक शैलेंद्र मिश्रा नीरज, रोशनी , धिरेंद्र मिश्रा, शैली मिश्रा भटकर, शितल श्याम देसाई के द्वारा गणेश बप्पा का आयोजन किया गया है। मंडल के अध्यक्ष योगी अशोक त्रिवेदी ने गणपति बप्पा से देशवासियों के लिए अमन चैन की प्रार्थना की।

सैमसंग ने पेश किया गैलेक्सी एस25 एफई: गैलेक्सी एआई और फ्लैगशिप फीचर्स का शानदार कॉम्बो

मुंबई/पटना। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कं., लिमिटेड ने आज गैलेक्सी एस25 एफई लॉन्च करने की घोषणा की। यह गैलेक्सी एस25 सीरीज का नया और किफायती मॉडल है, जिसमें वन यूआई8 और नवीनतम गैलेक्सी एआई अनुभव शामिल हैं। गैलेक्सी एस25 एफई एक पर्सनलाइज्ड एआई साथी की तरह मल्टीमॉडल क्षमताओं के साथ यूजर्स को और भी स्मार्ट और आसान अनुभव प्रदान करता है। गैलेक्सी एस25 एफई को खासतौर पर आपकी क्रिएटिविटी को अगले स्तर तक ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें जेनरेटिव एडिट और इंस्टैंट स्लो-मो जैसे उन्नत एआई एडिटिंग टूल्स दिए गए हैं। अपग्रेडेड 12एमपी फ्रंट कैमरा, एआई-पावर्ड प्रोविजुअल इंजन से लैस है, जो शानदार सेल्फी अनुभव देता है। 4,900एमएच बैटरी और 10% से अधिक बड़ी वैपर चैम्बर स्मूद और रिस्पॉन्सिव परफॉर्मेंस सुनिश्चित करती है। साथ ही, 45 वॉट वायर्ड चार्जिंग के साथ यूजर्स चलते-फिरते भी क्रिएटिव, एंटरटेन और कनेक्टेड रह सकते हैं।

डाबर च्यवनप्राश प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन में पटना पाइरेट्स को देगा ताकत

मुंबई/पटना। भारत की अग्रणी आयुर्वेदिक और नैचुरल हेल्थकेयर एवं एफएमसीजी कंपनी, डाबर इंडिया लिमिटेड ने आज प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के इतिहास की सबसे सफल टीम, पटना पाइरेट्स के साथ अपने प्रमुख हेल्थकेयर ब्रांड डाबर च्यवनप्राश को को-स्पॉन्सर के रूप में अपनी साझेदारी की घोषणा की। यह रणनीतिक सहयोग दो दिग्गजों को एक साथ लाता है - एक ब्रांड जो रोग-प्रतिरोधक क्षमता और प्राकृतिक स्वास्थ्य का पर्याय है, और एक टीम जो अपनी अविश्वसनीय ताकत, जुझारूपन और मैट पर जीतने की भावना के लिए जानी जाती है। यह साझेदारी साझा मूल्यों का एक आदर्श मेल है, क्योंकि डाबर च्यवनप्राश और पटना पाइरेट्स दोनों ही शक्ति, सहनशक्ति और चुनौतियों पर काबू पाने की क्षमता का प्रतिनिधित्व करते हैं। डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हेड-हेल्थ सप्लीमेंट्स, श्री अमित गर्ग ने कहा, ₹हम पटना पाइरेट्स के साथ साझेदारी करके बहुत खुश हैं, यह एक ऐसी टीम है जिसने लगातार सफल होने के लिए आवश्यक धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। कबड्डी एक ऐसा खेल है जिसके लिए शारीरिक फिटनेस और मानसिक चुस्ती की जरूरत होती है। डाबर च्यवनप्राश, अपने समृद्ध आयुर्वेदिक फॉमूर्ले के साथ, खिलाड़ियों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता, ताकत और सहनशक्ति का समर्थन करने के लिए एक स्वाभाविक पसंद है।

यामाहा R15 रेंज को बोल्ड और प्रीमियम रंगों के साथ नया रूप दिया गया

मुंबई/पटना। अपने 'द कॉल ऑफ द ब्लू' ब्रांड अभियान के तहत, इंडिया यामाहा मोटर प्राइवेट लिमिटेड ने आज R15 सीरीज में नए रंगों को पेश करने की घोषणा की, जिसमें R15M, R15 वर्जन 4 और R15S शामिल हैं। 2025 यामाहा R15 रेंज की शुरूआती कीमत अब 1.67 लाख (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है। R15M अब नए रिफाइंड मेटैलिक ग्रे रंग में उपलब्ध है, जो इसके समग्र स्पोर्टी लुक में एक समृद्ध और प्रीमियम टच जोड़ता है। R15 वर्जन 4 में ग्राहकों की भारी मांग को देखते हुए एक बोल्ड मेटैलिक ब्लैक रंग दिया गया है, जबकि डायनामिक रेसिंग ब्लू को अपडेटेड ग्राफि क्स के साथ रिफ्रेश किया गया है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित मैट पर्ल व्हाइट, जिसने दुनिया भर में R-सीरीज के ग्राहकों के बीच एक मजबूत पहचान बनाई है, को पहली बार भारत में R15V4 में पेश किया जा रहा है।

शांतिनगर पुलिस ने फरार हत्या के आरोपी को 10 महीने बाद इंदौर में धरदबोचा

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के शांतीनगर पुलिस ने दस महीने से फरार चल रहे एक हत्या के आरोपी को इंदौर से धरदबोचा है।बतादें कि प्रेम प्रसंग के चलते एक महिला की हत्या कर फरार हो गया था। जिसके हाथ पर बने हाथ पर बने टैटू की शिनाख्त से हत्यारा पकड़ा गया। शांतिनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़ ने बताया कि 28 अक्टूबर 2024 उत्तर प्रदेश के भदोही का रहने वाला आरोपी राजू महेन्द्र सिंह (22) एक महिला की निर्मम हत्या कर फरार हो गया था। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी लेकिन वह मोबाइल फोन बंद कर बार-बार अपना ठिकाना बदलकर बच निकलता था। कभी वह उत्तर प्रदेश तो कभी मध्यप्रदेश के अलग-अलग इलाकों में छिपकर पुलिस को गुमराह कर रहा था।आखिरकार शांतीनगर पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी इंदौर के देवास नाका इलाके में छिपा हुआ है। जानकारी पुख्ता होने पर पुलिस टीम ने इंदौर क्राइम ब्रांच से संपर्क कर संयुक्त कार्रवाई की। आरोपी ने खुद को सूरज बताकर पुलिस को धोखा देने की कोशिश की लेकिन उसके हाथ पर बने टैटू ने उसकी पहचान कराकर हत्या का राज खोल दिया।जिसके बाद जाल बिछाकर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने भागने की कोशिश भी किया लेकिन पुलिस की सतर्कता के आगे उसकी सारी चालें नाकाम रहीं। आरोपी को तुरंत भिवंडी लाकर अदालत में पेश किया गया जहां उसे 8 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में डीसीपी शशिकांत बोराटे, एसीपी सचिन सांगले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़, पुलिस निरीक्षक अतुल अडूरकर और विनोद पाटिल के मार्गदर्शन में एपीआई सुरेश चोपडे, पुलिस हवलदार रिजवान सैय्यद, राजेश पाटिल, निलेश महाले आदि पुलिस की टीम शामिल थी।

हाथ पर बने टेटू से हत्या के आरोपी की हुई पहचान

श्मि एकता मित्र मंडल के सदस्यों ने किया दर्शन

अमित सिंह

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। रश्मि एकता मित्र मंडल,नालासोपारा (पूर्व) द्वारा आयोजित भव्य गणेशोत्सव पंडाल में आज संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने श्री गणेश जी के दर्शन किए। संस्था के अध्यक्ष महेश सिंह, उपाध्यक्ष संतोष सिंह, संजय सिंह, कोषाध्यक्ष योगेंद्र सिंह, कौशिक सनी सिंह, भानु सिंह मास्टर, विशाल सिंह ननवग, मानसिंह, अमित सिंह सहित अन्य सम्मानित सदस्यों ने एक साथ पधारकर गणपति बप्पा के चरणों में नमन किया और समाज की खुशहाली, सुख-समृद्धि एवं एकता की मंगलकामना की।

बप्पा के दरबार में डॉ.किशोर सिंह ने की मुंबई के सुख शांति की प्रार्थना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में चल रहे गणेशोत्सव के अंतिम दिन आज प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन के चेयरमैन तथा मुंबई कांग्रेस के महासचिव डॉ किशोर सिंह ने बोरीवली पूर्व के कस्तूरबा रोड क्रमांक 5 पर श्री नवयुवक मित्र मंडल द्वारा स्थापित गणपति बप्पा का दर्शन कर मुंबई की सुख समृद्धि और सद्भावना की प्रार्थना की। यह मंडल 1984 से लगातार गणपति बप्पा की स्थापना करता आ रहा है। मंडल के प्रमुख अध्यक्ष केदार ठाकुर के अनुसार बप्पा सबकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 42 वर्षों से मंडल लगातार बप्पा की दिव्य और भव्य स्थापना करता चला रहा है। मंडल के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता दिन-रात बप्पा की पूजा आराधना और व्यवस्था में लगे रहते हैं। मंडल के अध्यक्ष मेहुल, मिस्त्री, उपाध्यक्ष विनोद पंजाबी, सचिव जगदीश मिस्त्री, उपसचिव भालचंद्र देवरुखकर, कोषाध्यक्ष अभय लाड, उपकोषाध्यक्ष नैतिक मिस्त्री तथा सलाहकार प्रफुल्ल सावंत गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आने वाले सभी भक्तों की सेवा में लगे रहते हैं।

जिला परिषद पालघर को मिले 12 नए वाहन, पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों हुआ लोकार्पण

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर की स्थापना के करीब 11 साल बाद कार्यरत पदाधिकारियों और विभाग प्रमुखों की दैनिक कार्यप्रणाली को गति देण्यासाठी 12 नए वाहनों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। गुरुवार 4 सितंबर जिला परिषद कार्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य के वनमंत्री एवं पालघर जिला के पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों इन वाहनों का लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत सवरा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प अधिकारी डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत, महिंद्रा कंपनी की सीईओ निधि मोदी, अधिकारी कैलास जोशी, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर समेत जिला परिषद के अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि पालघर जिला बनने के बाद वर्ष 2014 में पहली बार 9 वाहन खरीदे गए थे, लेकिन 11 साल तक लगातार उपयोग होने से वे जर्जर हो चुके थे। इसके बाद 5 जून 2025 को शासन की ओर से नए वाहन खरीदने की मंजूरी दी गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय खरीद समिति ने ग्रामीण भागों में उपयोगी साबित होने वाले वाहनों का चयन किया। जी ई एम पोर्टल के माध्यम से महिंद्रा कंपनी से कुल 12 वाहन खरीदे गए। यह पूरी प्रक्रिया जिला परिषद के सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से पूरी की गई। अधिकारियों का कहना है कि नए वाहनों की उपलब्धता से जिला परिषद के अधिकारियों को तात्कालिक कार्यों के लिए दौरे करने में सुविधा होगी, जिससे जिले का कामकाज और अधिक गतिशील व प्रभावी होगा।

शिक्षक दिवस पर भारतीय सद्विचार मंच ने किया वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षक दिवस (5 सितम्बर)के अवसर पर महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था भारतीय सद्विचार मंच (शिक्षक प्रकोष्ठ) द्वारा दहिसर पूर्व स्थित संस्था सभागृह में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में महानगर के 10 वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक डॉ. राधेश्याम तिवारी ने की। संस्था द्वारा सम्मानित किए गए वरिष्ठ शिक्षकों में सेवानिवृत्त हरिप्रसाद पांडे, सुरेश चौबे, शिवपूजन पांडे, घनश्याम मिश्रा, राजीव कुमार मिश्रा, राजेश उपाध्याय, लालचंद पांडे, लव कुमार मिश्रा, प्रधानाचार्य राजीव मिश्रा तथा अजय तिवारी का समावेश रहा। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी श्रीकांत पांडे, हरिशंकर तिवारी, बीपी मिश्रा , डॉ . संदीप तिवारी,राम श्रिंगार उपाध्याय , जितेन्द्र चौबे,मुन्ना पाण्डेय, इन्द्रसेन सिंह, रमापति पाण्डेय, संतोष मिश्रा, संतोष (मुन्ना) मिश्रा, कमलेश दुबे आदि उपस्थित रहे। संस्था अध्यक्ष डॉ शिवश्याम तिवारी के मुख्य मार्गदर्शन तथा शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक हरिप्रसाद पाण्डेय के संयोजन में संपन्न इस कार्यक्रम का संचालन संस्था महामंत्री नागेन्द्र मिश्रा ने किया। उपाध्यक्ष बैजनाथ मिश्रा, पदाधिकारी बी.एम.गुप्ता, रत्नेश दुबे, गणेश प्रसाद पाण्डेय, सुभाषचंद्र दुबे, कमलाकांत त्रिपाठी ने अतिथियों का सम्मान किया। शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक हरिप्रसाद पाण्डेय ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षक दिवस पर आंगनवाड़ी शिक्षिकाओं का किया गया गुणगौरव सत्कार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में इनर व्हील क्लब ऑफ पालघर की ओर से दस वरिष्ठ एवं कार्यतत्पर आंगनवाड़ी सेविकाओं के साथ-साथ क्लब की दस शिक्षिका सदस्याओं का सम्मान किया गया। यह भव्य सत्कार समारोह इनर व्हील कम्युनिटी सेंटर, पालघर में बड़े उत्साह और गौरवपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि आंगनवाड़ी सेविकाएं बच्चों की देखभाल गर्भावस्था से ही शुरू करती हैं और प्रत्येक परिवार से आत्मीय संबंध जोड़कर गांव के बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। ऐसे निःस्वार्थ भाव से कार्य करने वाली सेवाभावी शिक्षिकाओं का सम्मान ही शिक्षक दिवस का वास्तविक अर्थ है। ज्ञात हो कि इनर व्हील क्लब ऑफ पालघर पिछले 30 वर्षों से सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए कार्यरत है और महिला सशक्तिकरण में भी विशेष योगदान दे रहा है। आंगनवाड़ी को मजबूत बनाने के लिए क्लब की अध्यक्षा एड. विनिता पाटील, सचिव आसिफून धनानी और सभी सदस्य सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन चेयरमैन आई.पी.पी. प्रीति पाटील, को-चेयरमैन माधुरी राऊत और उनकी टीम द्वारा उत्साह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी सेविकाएं, उनके सहयोगी तथा क्लब की अनेक सदस्याएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

वसई-नालासोपारा में गणेश दर्शन पर निकलीं विधायक स्नेहा दुबे

वसई (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वसई पश्चिम, वसई पूर्व और नालासोपारा के विभिन्न गणेश मंडलों का भव्य दौरा किया। उन्होंने श्री गणेशजी के दर्शन कर वसई-विरार और संपूर्ण महाराष्ट्र की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

विधायक स्नेहा दुबे ने वसई पश्चिम के आनंद नगर, कौल हेरिटेज सिटी पब्लिक फेस्टिवल मंडल, महाराजा गणेश बप्पा, श्री गणेश सार्वजनिक मंडल, अंबाड़ी रोड पर विघ्नहर्ता सब्जी विक्रेता मित्र मंडल, कृष्णा टाउनशिप के सम्राट गणपति बप्पा, गोकुल आंगन चा राजा, अग्रवाल नगरी अष्टविनायक मंडल, तथा लिंक रोड सार्वजनिक मंडल जैसे प्रतिष्ठित गणेश मंडलों में दर्शन किए। नालासोपारा पूर्व में उन्होंने साईनाथ मित्र मंडल, वसंत नगरी, तथा नवघर मित्र मंडल के गणपति बप्पा के दर्शन किए, वहीं वसई पूर्व में जगन्नाथ मित्र मंडल के पांडाल में भी उन्होंने उपस्थिति दर्ज कराई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ₹गणपति बप्पा सभी विघ्नों को दूर कर हमें बुद्धि और शक्ति प्रदान करते हैं। मैं प्रार्थना करती हूँ कि हमारे क्षेत्र में सुख, शांति और विकास बना रहे। इस अवसर पर नवीन दुबे, भाजपा वसई विरार शहर जिला महामंत्री बिजेंद्र कुमार, वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, दीपक शर्मा, मानव दुबे, श्रीमती अपर्णा पाटिल, मयंक शेठ, गोपी मेनन, किरण पवार, योगेश सिंह, कल्पना नागपुरे, विजय दास, एच.आर. सक्सेना, अंशुमान ठाकुर, हरीश बेदी सहित स्थानीय नागरिक, गणेश मंडलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में बड़े धूमधाम से मनाया गया हजरत मोहम्मद साहब का जन्मोत्सव, रौशनी में सजा शहर

मौसम ने भी ली करवट, ठंड रही हवाये, हुजूर की हुई अमद मरहबा, सरकार की अमद मरहबा के साथ गूंजा सदा में नारा

डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी की रिपोर्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के मोहल्ला मुल्ला टोला में 11 रबी-उल-अव्वल बड़े ही उत्साह पूर्वक पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की यौमे विलादत बनाई गई। रबी अल-अव्वल के महत्व के कुछ कारण हैं। पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का जन्मदिन इस महीने की 12 तारीख को पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का जन्मदिन मनाया जाता है।जिसे ईद-ए-मिलाद-उन-नबी कहा जाता है। इस दिन को मुसलमानों द्वारा पैगंबर की शिक्षाओं और उनके जीवन को याद करने के लिए मनाया जाता है।

ईद-ए-मिलाद-उन-नबी कैसे मनाया जाता है– नमाज और दुआएँ मुसलमान इस दिन नमाज अदा करते हैं और पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के लिए दुआएँ करते हैं। पैगंबर की शिक्षाओं का पालन मुसलमान इस दिन पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शिक्षाओं का पालन करने का संकल्प लेते हैं। दावतें और समारोह मुसलमान इस दिन दावतें आयोजित करते हैं और समारोह मनाते हैं।

मुल्ला टोला में चाय टोला से लेकर साजिदा गर्ल्स कॉलेज के आगे तक

रौशनी और सजावट से पूरा रास्ता जगमग जगमग करता रहा। वही देखा जाए तो जगह जगह मोहल्ले के सम्मानित लोगों ने अपना अपना मंच बना रखा था। हर मंच के सामने से अखाड़े का जब गुजर होता तो वहाँ पर कुछ समय के लिए रुक रुक कर, अपने फनकारी का मुजाहिरा करते हुए। जैसे लाठी खेलना, तलवार बाजी करना आदि इसी तरह जब अंजुमन आती तो वह भी रुक रुक कर पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शान में और दुनिया में आने की खुशी में नात, सलाम पढ़ते हुए रुक जाते और फिर अपना कलाम पढ़ते हुए, और अपना हदिया लेते हुए दूसरे मंच की तरफ बढ़ जाते। यह सिलसिला शाम 8 बजे से सुबह के 5 बजे तक जारी रहा है। मेले में तरह तरह खाने पीने के व्यंजन, जैसे पकौड़ी, हलवा फराठा, वही दूसरी तरह क्या बड़े क्या बच्चे सभी झूले का अनन्द लेते दिखे।

इसी क्रम में अंजुमन फतेह मोहम्मदिया सजावट कमेटी मुल्ला टोला

नायाब सदर डॉ.शाहबाज ख़ान

सरपरस्त डॉ.ईशान ख़ान

जौनपुर सदर मास्टर फि रोज, नायब सदर डॉ.मो.शाहबाज खा, सेक्रेटरी मो.आमिर सिद्दीकी, खजांची अब्दुल्लाह खान, सरपरस्त डॉ.ईशान खान आदि भी मौजूद।

इसी तरह से यासीन हार्डवेयर एण्ड पाईप स्टोर मुल्ला टोला जौनपुर के सदर-पूर्व सभासद फैसल यासीन की जानिब से एक स्टाल लगाया गया था। जिस पर खाने के पार्सल डिब्बे का इंतजाम किया गया था। लगभग

1300 सौ डिब्बे जिसमे कई तरह का खाने का लजीज व्यंजन था। आने जाने वाले सभी बड़े बुजुर्ग माँ बहनों बच्चो को तकसीम किया गया। हुमरा फैसल पुत्री फैसल यासीन ने महिलाओं को अपने हाथो से खाने का पैकेट दिए। वही मुल्ला टोला के आलिम हजरात ने बढ़ चढ़ शिकरत किया, सभासद शाहनवाज अहमद अबीर गढ टोला जौनपुर, एखलाक अहमद, मो.जामी, अहमद हमजा, फजलुल रहमान, मौलाना समसुल अरफिन, मौलाना बिलाल, अबरार खान, मौलाना नबील, मौलाना नदीम, मौलाना अमन, मौलाना अहसन, मौलाना सुजा, मौलाना शारिक अब्दुल, मलिक अशरफ, मौलाना सादिक, मौलाना यासिर, सबी हैदर, सदाफ पूर्व सभासद आदि।

इसी क्रम में मतलूब अहमद के स्टॉल पर मेहमाने खुसूशी शहर

कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ खान, शाहनवाज मंजूर सभासद रौजा अर्जन की मौजूदगी रही।

अंजुमन हैदरिया मुल्ला टोला

जौनपुर। सदर-मुख्तार अहमद मंसूरी, जनरल सेक्रेटरी अफसर खान,

खजांची मुस्तफा मंसूरी, नायाब सदर फैजान अंसारी, अशफाक अहमद मंसूरी सभासद सदस्य, असलम मंसूरी, अब्दुल्लाह मंसूरी, महताब मंसूरी, आसिफ मंसूरी, शकील मंसूरी, आजाद खान, तारिक मंसूरी, अजहर खान, समीर मंसूरी,

अशरफ मंसूरी, कमर जौनपुरी, डॉ.सरफराज अहमद प्रतिनिधि नगर पंचायत जफराबाद ने सभी कमेटी के मंच पर जाकर अपना थोड़ा थोड़ा वक्त दिया।

इसी क्रम में अखाड़ा फतेह मोवीन सजावट कमेटी हमाम दरवाजा जौनपुर, मो.फैसल सिद्दीकी उत्तरशक्ति न्यूज, सदर-अनवारुल हक खान, सद्दाम शेख, मो.समर, मो.मुसर्रत, मो.सारिक, मो.नबील, मो.सैफ, मो.अकिब,

मो.सैफ, मो.आतिफ, अनीस अहमद, मो.साजिद, मो.मुस्किब, मो.आमिर, मो.सजर, शाहंशाह, मो.हारिस, मो.अल्तमश आदि मौजूद रहे।

एक तरफ जहाँ पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद था मेले में और जुलूस पर पुलिस की पैनी नजर बनी हुई थी। आने जाने वाले पर निगाह लगी हुई थी कोई भी जेब कतरा हो या हुड़दंगई करने वाले हो सब पूरी तरह से शांत दिखाई दिए। कहीं से कोई जेब कतरी की शिकायत तक नहीं मिली। वही महिला पुलिस ने महिलाओं के बीच में बराबर गस्त करते दिलाई दी, बीच बीच में सिटी मजिस्ट्रेट सदर व पुलिस के आला अधिकारी आते जाते दिखाई दिए। हर बार विघुत विभाग को कोसा जाता था मगर इस बार विघुत विभाग ने पूरी तरह कमर कस रखी थी। एसडीओ रौशन जमीर के आदेश पर जेई सैयद अब्बास की पूरी टीम रात भर लगी रही। जेई सैयद अब्बास ने जितने भी लोहे के पोल थे सभी पर पन्नी लगा कर सुरक्षित किया। वो भी अपने निजी खर्च पर पहली बार इस तरह से पोल पर पन्नी लगाई गई है लेमनेशन वाली। जेई सैयद अब्बास वह उनकी पूरी टीम कों मुल्ला टोला के समस्त नागरिक ने आभार प्रकट किया और हर तरफ उनकी प्रशंसा हो रही है। अकबर हुसैन उर्फ.शमसेर, अजय यादव, राकेश यादव, चन्दन यादव, विघुत कर्मी अपनी ड्यूटी को अंजाम देते नजर आये।

हर साल सभी सजावट कमेटी के बीच एक मुकाबला होता है। इस बार प्रथम स्थान प्राप्त करके अंजुमन फतेह मोहम्मदिया सजावट कमेटी मुल्ला टोला जौनपुर ने खिताब जीता कर अपने नाम कर लिया।

अज्ञात कारणों से युवक ने फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त, परिवार में छाया मातम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना रामपुर के अंतर्गत ग्राम सभा भीमपुर में बीती रात एक युवक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। संतोष उपाध्याय के पुत्र विशाल उपाध्याय मृतक 23 वर्ष का था जो रोजी-रोटी के सिलसिले में मुंबई में रहते थे। कुछ दिन पहले ही वह अपने गांव भीमपुर आए थे। परिवार के अनुसार, गुरुवार के दिन बीती रात लगभग 9.30 बजे उन्होंने एक साथ भोजन किया और फिर अलग-अलग कमरे में सोने चले गए। सुबह जब मृतक की मां ने अपने बेटे को जगाया तो दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज लगाने और दरवाजा खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने दौड़कर अपने पति संतोष उपाध्याय को सूचना दी। पिता ने मृतक को फोन किया, लेकिन फोन स्विच ऑफ था। परिवार के अंदेशे के बाद तत्काल थाना रामपुर को सूचना दी गई। मौके पर प्रशासन पहुंचा और दरवाजा तोड़कर अंदर देखा। शव लोहे की ग्रील में धोती के सहारे फांसी पर लटका पाया गया। युवक को तुरंत भदोही प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक परिवार की इकलौता संतान था जिससे परिवार में कोहराम मच गया। प्रशासन ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच प्रशासन द्वारा जारी है।

पीड़ित ने डीआईजी से लगाई गुहार, थाना प्रभारी व एसआई पर कार्रवाई की मांग

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के अवहदपुर गांव में भूमि विवाद मे आईपीएस गोल्डी गुप्ता ने मौके पर पहुँचकर निरीक्षण किया और एसआई मंजय यादव तथा चंदवक थाना प्रभारी की भूमिका को संदिग्ध बताए थे। जाँच अधिकारी ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को 4 दिन सौंपते हुए साफ कहा था पुलिस द्वारा एकपक्षीय कार्यवाही की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जाँच में दोष साबित होता है तो संबंधित अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इसी बीच पीड़ित पक्ष ने आईजी को प्रार्थना पत्र सौंपकर थाना प्रभारी और एसआई के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि अधिकारियों की मिलीभगत से विपक्षी पक्ष ने विवादित भूमि पर जबरदस्ती दीवार खड़ी कर दी।फिलहाल, इस जबरन बनाई गई दीवार की पुलिस पिछले 11 दिनों से लगातार निगरानी कर रही है। मौके पर एक दरोगा और दो कांस्टेबल साए की तरह डटे रहते हैं। डीआईजी के हस्तक्षेप के बाद अवैध निर्माण कार्य रुका है।

जौनपुर में समाजसेविका की मनाई गई पांचवीं पुण्यतिथि

मो.फैसल सिद्दीकी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के अहमद खां मंडी की रहने वाली समाज सेविका नाजिया बानो जिन्होंने अपने जीवन में समाज के लिए काफी सराहनीय कार्य किया और अपना बहुत ज्यादा कीमती समय देकर समाज के कायाकल्प करने में योगदान दिया उन्होंने अशियम जनकल्याण फाउंडेशन की फाउंडर मेंबर के रूप में कार्य किया लोगों को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया निस्वार्थ व निशुल्क भावना से लोगों को शिक्षा के लिए प्रेरित करती रही, एक लंबी बीमारी के बाद 5 सितंबर 2020 को उन्होंने बीएचयू में अपनी आखिरी सांस ली थी उनको याद करते हुए आज अशियम जनकल्याण फाउंडेशन के पदाधिकारी और मेंबरों ने एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जहां उनको खिराजे अकीदत पेश की गई इसमें मुख्य रूप से अब्दुल सलाम मास्टर में, कन्हैया कुमार कुमार मौर्य, मास्टर सेराज, शम्स आलम, विजय अग्रहरी, सौरभ श्रीवास्तव अशियम खान, अफसा खान, शकील खान, शाहनवाज खान आदि लोग मौजूद रहे।

शाहगंज के महाविद्यालय में तकनीकी सुविधा देने के लिए छात्र छात्राओं को दिया गया टैबलेट

मो.आसिफ सिद्दीकी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। फरीदुल हक मेमोरियल पीजी

कालेज तालीमाबाद सबरहद शाहगंज जौनपुर में आज उत्तर प्रदेश में अध्यनरत छात्र-छात्राओं के तकनीकी सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत 173 छात्र/छात्राओं को टैबलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मद अब्दुल्ला एडवोकेट ने की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तबरेज आलम ने इस अवसर पर उपसथित जनों का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की इस योजना से छात्र छात्राओं को अपने शैक्षणिक स्तर को ऊपर उठाने में सहायता मिलेगा। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य हाजी एखलाक अहमद, हाजी एजाज अहमद, डॉ.इमरान अहमद,अबु सलमान, सर सैयद अहमद इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य मोहम्मद शाहिद नईम उपस्थित रहें। टैबलेट वितरण कार्यक्रम में विशेष सहयोग प्रदान किया।

डॉ.शिव प्रसाद यादव,सूर्य प्रकाश यादव, डॉ.रविन्द्र यादव, डॉ .पीयूष श्रीवास्तव,डॉ .रामचंद्र मौर्य, डॉ.संजय यादव, डॉ .भाष्कर तिवारी, अखिलेश कूमार, डॉ.अनुराग कुमार सोनकर,डा संतोष कुमार यादव,मुजाहिद्दीन का। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ.अमित दयानाथ गुप्ता, खुशीद हसन खा, डॉ.अनामिका पाण्डेय, डॉ .पूजा रानी, गीता देवी, नाजिया शाहिद, वैष्णवी गुप्ता, शाहबाज आलम, धुरेन्द् मौर्य, रविन्द्र वर्मा, मोहम्मद वामिक, मोहम्मद नसीम सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन रियाज अहमद एवं धन्यवाद ज्ञापन नोडल अधिकारी डॉ निजामुद्दीन ने व्यक्त किया।

पूर्वांचल के जनपदों में दीपक दूबे उर्फ रिंकू पंडित का रहा आतंक

जबरन वसूली, छिनैती, चोरी के माल क्रय विक्रय और धोखाधड़ी रहा शगल

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की क्राइम ब्रांच के साथ खेतासराय और खुटहन पुलिस की संयुक्त ऑपरेशन में गिरफ्तार दीपक दूबे उर्फ रिंकू पंडित के जरायम की लंबी फेहरिस्त है। उसपर कुल दस मामले विभिन्न संगीन आपराधिक मामले दर्ज है। अपराध की शुरूआत रिंकू पंडित अपने गृह जनपद के खुटहन थाने से किया। उस पर लूट,चोरी और चोरी की नीयत घर में घुसना अपराध शामिल रहा। पहला मामला खुटहन थाने में 2014 दर्ज हुआ। उसके बाद वह अपराध के दलदल फंसा तो वह पूर्वांचल के जनपदों में आतंक का पर्याय हो गया। प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, जौनपुर आपराधिक गतिविधिया तेज किया। खुटहन के अतिरिक्त बदलापुर में आर्म एक्ट, मड़ियाहूं में चोरी के माल खरीदना, प्रतापगढ़ के आसपुर देवसरा में चोरी के सामान क्रय विक्रय, जबरन वसूली और जालसाजी, सुल्तानपुर में धोखाधड़ी तथा खेतासराय में आर्म एक्ट के अभियोग दर्ज है। तरसावा नहर पर हुई मुठभेड़ में खेतासराय थानाध्यक्ष रामाश्रय रॉय, खुटहन थानाध्यक्ष चन्दन कुमार रॉय, उपनिरीक्षक अनिल सिंह, क्राइम ब्रांच की टीम समेत अन्य पुलिस के जवान शामिल रहे।

आकाश यादव की मदद के लिए आगे आई सांसद प्रिया सरोज

गुड़िया बिन्द

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत में विगत दिनों खुज्झी मोड पर एक सड़क दुर्घटना में आकाश यादव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें वाराणसी के हेरिटेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उनके दोनों पैर टूट गए हैं और कई बार ऑपरेशन करना होगा। मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज और केराकत के विधायक तूफानी सरोज आकाश को देखने अस्पताल गए और डॉक्टर से बात की। सांसद प्रिया सरोज ने डॉक्टर से कहा कि आकाश के इलाज के लिए जितना भी खर्च होगा, वह वहन करेंगी। मदद के लिए आगे आई सांसद प्रिया सरोज

सांसद प्रिया सरोज ने अपने आवास पर आकाश के पिता देवेंद्र यादव को बुलाकर 3 लाख 50 हजार रुपये नगद दिलवाए। इस मदद से आकाश के परिवार को काफी राहत मिली है, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और इलाज के लिए पैसे जुटाने में परेशानी हो रही थी।

आकाश के पिता देवेंद्र यादव ने सांसद प्रिया सरोज और विधायक तूफानी सरोज का आभार जताया और कहा, इस परिस्थिति में नगद पैसे की जरूरत पड़ती रहती है। हम लोग कमजोर और गरीब व्यक्ति हैं। लगातार नगद पैसा जुटाने में काफी दिक्कत हो रही थी और परेशानियों का सामना करना पड़ता था। आज सांसद द्वारा जिस प्रकार हमको एक बड़ा नगद सहयोग दिलाया गया। निश्चित रूप से हमको एक जीने की आशा हो गई और हमारे बच्चे का इलाज हो पाएगा। आवास पर मौजूद रहे प्रमुख लोग सांसद प्रिया सरोज के आवास पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें प्रमुख रूप से केराकत विधायक तूफानी सरोज, डॉ.अवधनाथ पाल, नीरज पहलवान, भगवती सरोज, बच्चूलाल यादव, पवन मंडल और अजीत यादव आदि लोग मौजूद रहे। सांसद प्रिया सरोज ने बताया कि आकाश का एक्सीडेंट हो गया था। जिसे वह देखने गई थीं। उन्होंने आगे कहा, हम मौके पर डॉक्टरों की टीम द्वारा जो खर्चा बताया गया था, हमने सहयोगी भगवती सरोज से दिलवाया। आगे भी जो सहयोग होगा, किया जाएगा।

जोनल स्तरीय निरंकारी इंग्लिश मीडियम समागम का आयोजन

समागम में मिला प्रेम की भाषा सबसे उत्तम भाषा का खास संदेश

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की प्रेरणा से निरंकारी इंग्लिश मीडियम समागम देशभर में आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नौपेड़वा स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर जोनल स्तरीय इंग्लिश मीडियम समागम आयोजित किया गया। जिसमें जनपद के 43 शाखाओं से बच्चों ने बहनों ने और महापुरुषों ने भाग लिया।

इस समागम में उपस्थित विशाल संत समूह को संबोधित करते हुए लखनऊ से आई बहन डॉ रिदम जी (केंद्रीय प्रचारिका) ने कहा कि मानव तन में आकर परमात्मा की जानकारी करना ही उत्तम कर्म है। इसके बाद ही भक्ति प्रारंभ होती है। परमात्मा की जानकारी के बाद ही इंसान के व्यवहार और बोली में बदलाव आता है, जीवन में नम्रता आती है। सत्संग से जीवन में भक्तों वाले गुणों का समावेश होता है। अंग्रेजी भाषा के द्वारा भी सत्य संदेश को मानव मात्र तक पहुंचाया जा सकता है। नौजवानों को अंग्रेजी माध्यम के सत्संग से जुड़े रहने का अति आवश्यकता है। इससे अंग्रेजी भाषा के प्रति संकोच दूर होगा।

उन्होंने निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन संदेशों को बताते हुए कहा कि भाषा समझ में आए या न आए लेकिन जो इंसान की अभिव्यक्ति होती है वह अपने आप में ही एक भाषा होती है। सबसे ज्यादा भाषा वही महत्व रखती है जो प्यार की भाषा है। जिसमें प्रेम प्रकट किया जाता है, वही भाषा सबसे उत्तम भाषा है। अंग्रेजी भाषा एक सर्वभौमिक भाषा है विश्वभर में अंग्रेजी भाषा को बोलने वालों की संख्या काफी अधिक है। उन्होने कहा कि मनुष्य की संगत ही उसके जीवन का नक्शा बनाती है, उसको चलाती है। यदि मनुष्य बुरे कर्म करने वालों की संगत करेगा तो उसमें बुरे कर्म आएंगे। लेकिन यदि मनुष्य संतों महात्माओं की संगत करता है तो उसके जीवन में अच्छे गुण प्यार विनम्रता विशालता आदि सहित अन्य दैवीय गुण जीवन में प्रवेश होने शुरू हो जाते हैं। इंटरनेशनल भाषा होने के कारण सद्गुरु ने इंग्लिश मीडियम समागम जगह-जगह करा रहे हैं।

कार्यक्रम में सतगुरु माताजी का संदेश भजनो, समूह गीतों, कविताओं व विचारों के माध्यम से दिया गया। सूर्यकुमार यादव (संयोजक) ने आए हुए संगत का स्वागत, आभार व धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में निरंकारी सेवा दल के सदस्यों ने भरपूर योगदान दिया।

सभ्य समाज के निर्माण में शिक्षकों की महती भूमिकाः ब्रिजेश सिंह प्रिंसू

सुशील गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब रॉयल ने आयोजित किया शिक्षक सम्मान समारोह।23 शिक्षक हुए सम्मानित सभ्य समाज के निर्माण में शिक्षकों की महती भूमिका होती है। शिक्षकों की महिमा का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता यह उदगार शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा एस.एन.कालेज आफ फामेर्सी बाबूपुर लखौवां में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित विधान परिषद सदस्य ब्रिजेश सिंह प्रिंसू ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा यह दिन शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का दिन है। कॉलेज के मैनेजर सन्तोष अग्रहरि ने कहा शिक्षक समाज का पथ-प्रदर्शक होता है, वहीं प्रिंसिपल स्वरूप चटर्जी ने कहा छात्रों की कामयाबी पर शिक्षक को सबसे ज्यादा प्रसन्नता होती है। प्रबंधक प्रोफेसर राजकुमार गुप्ता ने कहा जो छात्र शिक्षकों का सम्मान करते हुए उनके डांट को साकारात्मक रुप में लेते हुए आगे बढ़ते हैं। उनको सफलता जरूर प्राप्त होता है कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा भारत रत्न सर्वपल्ली राधाकृष्णन और विद्या की देवी मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलन पश्चात अतिथियों के माल्यार्पण से हुआ। सभी का स्वागत क्लब अध्यक्ष संजीव

साहू ने किया ध्वज वंदना, उपाध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने पढ़ा कार्यक्रम का संचालन पूर्व सचिव अजय सोनकर व विवेक यादव ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर क्लब द्वारा शिक्षा के साथ समाज में भी बेहतर भूमिका निभाने वाले 23 शिक्षकों अनूप कुमार सिंह राजकुमार गुप्ता स्वरूप जे. चटर्ज जितेंद्र कुमार यादव, अवन कुमार पांडे, मिस रितिका सिंह यशवंत सिंह देवाशीष जाना शुभम सिंह, मिस जीवा फातिमा विश्वनाथ दुबे, मिस शिफाली अग्रहरि, मिस सीमा यादव, मिस श्वेता उपाध्याय, नितेश कुमार प्रजापति, रोहित यादव, अंकेश कुमार पांडे, अनुपम चौबे, करन गुप्त, श्रीमती पूजा सोनकर, ऋषि श्रीवास्तव, राजेश अग्रहरि, आशीष कुमार गुप्ता को मुख्य अतिथि एमएलसी ब्रिजेश सिंह प्रिंन्सू के कर कमलों से माल्यार्पण अंगवस्त्रम व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया किया। कार्यक्रम को निवर्तमान अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर, कार्यक्रम संयोजक सन्तोष अग्रहरि, अनूप कुमार सिंह, राजकुमार गुप्ता ने भी संबोधित करते हुए। सभी को शिक्षक दिवस की बधाई दी अन्त में सभी के प्रति आभार ऋषि श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर एस.एन.कालेज आफ फामेर्सी के प्रबंध तंत्र द्वारा लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के प्रत्येक सदस्य को अंगवस्त्रम पहनाकर सभी का स्वागत किया गया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ,सचिव ,बालकृष्ण साहू ,राजेश किशोर, ऋषि श्रीवास्तव, विनोद अग्रहरि सहित सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पूजा-पाठ के साथ शुरू हुआ फर्नीचर व हार्डवेयर की दुकान

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के टेघड़ा बाजार पर सती माई स्थान के सामने एस एच 96 पर जय अम्बे फर्नीचर और हार्डवेयर के दुकान पूजा पाठ के बाद अपराह्न में शुरू कर दिया गया। अब ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अच्छे से अच्छे फर्नीचर व हार्डवेयर सामानों की खरीदारी के लिए बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। ग्रामीण हरिलाल सिंह का कहना था कि भाग-दौड़ की जिंदगी में ग्रामीण क्षेत्र की नजदीक बाजार में सब सामग्री उपलब्ध हो जाना बड़ी खुशी की बात है। लोगों को समय की बचत होगी। जिंदगी में नजदीक में दुकान हो जाने से लोगों में खुशी है। मौके पर मुखिया रामकृष्ण सिंह उर्फ काका, भुआल सिंह, भीम सिंह, डॉ हरि नारायण सिंह, सुरेश शर्मा, रविंद्र सिंह, मालिक सिंह, अनित कुमार, सनी सिंह, रामायण सिंह, विनय कुमार सिंह व विशाल कुमार सिंह, उपस्थित थे।

बाबा सुंदर दास महाराज का दो दिवसीय कार्यक्रम समापन,मेला भरा

चिराना। कस्बे के किरोड़ी घाटी में खारिया मोदी वाली ढाणी में स्थित बाबा सुंदर दास महाराज के मंदिर में दो दिवसीय कार्यक्रम का शनिवार को मेले के साथ समापन हो गया है। बाबा सुंदर दास सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत शुक्रवार रात्रि को जुगन म्यूजिकल पार्टी रेनवाल के द्वारा पुरी रात एक से बढ़कर एक भजनों कि प्रस्तुतियां दी गयी, वहीं दिन भर स्थानीय लोगों का मेला भरा गया दिन भर दिन भर सिंगर राकेश सैनी एवं पार्टी पनिहारवास के द्वारा भजनों कि प्रस्तुतियां दि गयी। समिति के द्वारा मंदिर में दिन भर भंडारे का आयोजन किया जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसादी गृहण कि। बाबा सुंदर दास महाराज के दर्शनों के लिए भीड़ दिन भर लगी रही। बाबा सुंदर दास सेवा समिति के द्वारा पधारे हुए अतिथियों एवं भामाशाहों का सम्मान एवं आभार व्यक्त किया गया। इसके अतिरिक्त भजन पार्टी के सभी कलाकारों का गणेश सेवा समिति के संरक्षक डॉ.राजेंद्र कुमावत की ओर से मोमेंटो प्रदान कर उनका मान बढ़ाया,कला की कद्र की। इस दौरान तोलाराम सैनी,गोविंद राम सैनी,धूडमल सैनी,निवास सैनी,इंद्राज सैनी,महेश सैनी, राकेश सैनी,बाबूलाल सैनी,मनीष सैनी,लीलाराम सैनी,रामचंद्र सैनी,विनोद कुमार सैनी, कजोड़मल सैनी,बंशीधर आढ़ती या,फतेहचंद सैनी कंपाउडर आदि सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रहे।

उत्सव के साथ मनाया मनाया गया अनंत पर्व

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज स्थानीय प्रखंड के शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में युवा- युवतियों व बच्चों ने भी अनंत चतुर्दशी का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया। अनंत पूजनोत्सव के बाद सभी पर्व मनाने वाले श्रद्धालुओं ने प्रसाद का वितरण कराया। अपने हाथ में सूती और रेशम का धागा 14 गांठों वाला धागा बांधा । लोगों का मानना है कि यह हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक माना जाता है। ज्योतिष शिरोमणि धनंजय द्विवेदी ने बताया यह भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा के लिए भी समर्पित है। इस त्योहार का मुख्य अनुष्ठान बांह पर अनंत सूत्र बांधना है, जो सुरक्षा, समृद्धि और बाधाओं के निवारण का प्रतीक है। विद्वान पंडित श्री द्विवेदी ने बताया कि प्रत्येक गांठ हिंदू ब्रह्मांड विज्ञान के 14 लोकों का प्रतिनिधित्व मना जाता है । बताया कि अनंत सूत्र भक्त को नकारात्मक शक्तियों से बचाता है, समृद्धि सुनिश्चित करता है और ईश्वर के साथ आध्यात्मिक संबंध को मजबूत करता है।

बाजार में यूरिया की कीमत से किसान परेशान

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के किसान इन दिनों यूरिया की किल्लत से परेशान हैं। प्रशासन की उदासीनता के कारण यूरिया बाजार में निर्धारित दर से डेढ़ गुनी अधिक कीमत पर बेची जा रही है। सरकारी दर 267 रुपए प्रति बैग की जगह बाजार में पांच सौ से छह सौ रुपए प्रति बैग तक यूरिया बिक रही है। इससे किसान आर्थिक रूप से संकट में हैं। कई किसानों ने बताया कि यूरिया दुकानदार कमीशन लेकर पूरा स्टॉक ही बेच दे रहे हैं, जिससे जरूरतमंद किसानों तक खाद नहीं पहुंच पाती है। समय पर यूरिया न मिलने के कारण किसानों की फसलें पीली पड़ रही हैं। कई किसानों ने बताया कि सरकारी वितरण केंद्रों पर भी यूरिया उपलब्ध नहीं है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है। प्रखंड कृषि कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार से जल्द ही यूरिया की रैक आने वाली है।

फीस के अभाव में रुकी डिग्री, सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट द्वारा मध्य की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर जनपद के कराकर निवासी संदीप प्रजापति ने वर्ष 2021 में डी-फार्मा की पढ़ाई पूरी की थी। मगर आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनकी लगभग 60,000 रुपये फीस बकाया रह गई। जिसके चलते कॉलेज ने उनकी डिग्री रोक दी।

डिग्री न मिलने से संदीप को रोजगार के अवसर भी नहीं मिल पा रहे हैं और परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। संदीप ने मदद के लिए कई समाजसेवियों व नेताओं से गुहार लगाई। लेकिन अब तक कोई ठोस सहायता नहीं मिल सकी। इस बीच सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट, मुंबई को जब इस विषय की जानकारी हुई तो संस्था के प्रमुख अजय प्रजापति ने स्वयं संदीप से मुलाकात कर स्थिति जानी और समाज के लोगों से सहयोग की अपील की। संस्था से जुड़े अरुण प्रजापति, इंद्रजीत प्रजापति, विनोद प्रजापति, आलोक कुमार प्रजापति, मंजू बालियान सहित कई सदस्यों ने पहल करते हुए सहयोग की शुरूआत की है। ट्रस्ट का कहना है कि शिक्षा किसी भी युवा के भविष्य की नींव होती है। इसलिए समाज के सामूहिक सहयोग से संदीप की डिग्री दिलाना हम सबकी जिम्मेदारी है। संस्था ने सभी समाजसेवियों एवं सहयोगी जनों से अपील की है कि वे आगे आकर संदीप की बकाया फीस भरने में मदद करें ताकि वह डिग्री प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सके।

धार्मिक भावना पैदा करने वाले भवन निर्माण कतोओ के लाइसेंस रद्द करना चाहिए: मंत्री सरनाईक

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में धर्म के नाम पर भवन कारोबार में वृद्धि के मद्देनजर, देखते हुए, महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री तथा धाराशिव जिले के पालक मंत्री और स्थानीय विधायक माननीय श्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मूल मूल्यों को कुचलना, धार्मिक मतभेद पैदा करना और कट्टर विज्ञापनों के माध्यम से ग्राहकों को आकर्षित करना एक गंभीर अपराध है और ऐसे निर्माण पेशेवरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए और उनके निर्माण लाइसेंस रद्द किए जाने चाहिए। मीरा-भायंदर महानगरपालिका के नगर नियोजन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक बिल्डर ने मौजे-घोड़बंदर स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 26/2, 3 और 27/10 पर फ्लैटों की बिक्री के लिए दो धर्मों के बीच दरार पैदा करनेवाला विज्ञापन प्रकाशित किया है। इस निंदनीय कृत्य को गंभीरता से लेते हुए परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने महानगरपालिका प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। तदनुसार, मनपा प्रशासन ने संबंधित डेवलपर से तत्काल स्पष्टीकरण मांगा है, और यदि स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाया जाता है, तो उनके निर्माण लाइसेंस को रद्द करने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी मंत्री श्री प्रताप सरनाईक ने भी स्पष्ट किया है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का दौरा किया

मुंबई। आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, मुंबई को 1 सितंबर 2025, सोमवार को प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु एवं दिवंगत जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के शिष्य, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

यह आध्यात्मिक यात्रा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गणमान्य अतिथियों के लिए एक अत्यंत प्रेरणादायक अनुभव रही, जिसमें सनातन ज्ञान को आधुनिक संदर्भों से जोड़ते हुए स्वामीजी ने गूढ़ विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक स्वागत समारोह से हुई, जिसके पश्चात स्वामीजी ने धर्म, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर अपना वक्तव्य दिया।

उनका संबोधन आध्यात्मिक चेतना और शैक्षणिक प्रयासों के बीच संतुलन स्थापित करने पर केंद्रित था, जिसने सभी को ईमानदारी, सेवा और बौद्धिक विनम्रता जैसे मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, मुंबई के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. हरीशचंद्र एस. मिश्रा ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी की उपस्थिति ने हमारे कैंपस के वातावरण को ऊंचा किया है। उनका संदेश हमारे समग्र शिक्षा और नैतिक नेतृत्व के प्रति समर्पण से गहराई से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें स्वामीजी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए नैतिक जीवन, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और शैक्षणिक जीवन में आंतरिक अनुशासन के महत्व पर बल दिया। यह अविस्मरणीय अवसर संस्था के उस उद्देश्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आध्यात्मिक जागरूकता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को एक साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विजय लक्ष्मी का निधन, परिजनों में शोक

मुंबई। विक्रोली पार्क साइट निवासी शंभूनाथ मिश्र (वकील)की माता 78 वर्षीय विजय लक्ष्मी का निधन 4 सितंबर को हृदय गति रुक जाने के कारण हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं।उनका अंतिम संस्कार पार्क साईट के वर्षा नगर स्थित श्मशान भूमि में किया गया। वे अपने पीछे दो पुत्र शंभूनाथ मिश्र और अनिल मिश्र, पुत्रवधुएं, पुत्री तथा नाती सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका विधि कार्यक्रम उनके पैतृक निवास प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में संपन्न होगा। विजय लक्ष्मी के निधन पर श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल राजनरायन मिश्र, नरेंद्र मिश्र, कमलेंद्र मिश्र, रविन्द्र मिश्र, राघवेंद्र मिश्र, दिवाकर मिश्र, सर्वदेव पांडेय, दलजीत पांडेय,लालसहब मिश्र, शिवशंकर मिश्र, अनिलेश मिश्र, प्रभाकर मिश्र, अंकित मिश्र, रोहित मिश्र, पंडित क्षमा मिश्र, भोलानाथ मिश्र, बृजेश शुक्ला,दिनेश सिंह, अरविंद शुक्ला, योगेश तिवारी, ब्रह्मदेव दुबे,आदेश मिश्र, सहित स्थानीय लोगों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

ओसी विहीन इमारतों की कठिनाइयां सुलझाने हेतु पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के मार्गदर्शन में गठित की गई अभ्यास कमिटी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी मुंबई के नवनियुक्त अध्यक्ष अमित साटम ने मुंबई शहर की सैकड़ों इमारतों की ओसी ना होने के कारण इससे होने वाली फ़्लैट धारक नागरिकों की तकलीफ को संज्ञान में लेते हुए उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के नेतृत्व-मार्गदर्शन में एक चार सदस्यीय अध्ययन (अभ्यास) कमिटी नियुक्त की है । इस कमिटी में एड. अमित मेहता,एड. विवेकानंद गुप्ता, एड. जयप्रकाश मिश्रा तथा एड. सिद्धार्थ शर्मा जैसे दिग्गज और अत्यंत अनुभवी वकीलों का नाम शामिल है। यह कमिटी मुम्बई की बिना ओसी वाली इमारतों की न सिर्फ जानकारी जुटाएगी बल्कि वहां के नागरिकों को होने वाली अड़चनों और नियम तथा कानून के हवाले से अधिकारी वर्ग द्वारा उन्हें दी जा रही परेशानियों पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर मुम्बई भाजपा अध्यक्ष को सौंपेगी ताकि इस विषय का संतोषप्रद व ठोस समाधान निकालने की पहल की जा सके।

बता दें कि ओसी न होने के कारण फ्लैट तक खाली करवाने के प्रयास का मुद्दा तब गरमाया जब ताड़देव की 34 मंजिला इमारत विलिंग्डन सोसाइटी के 17 से 34 मंजिल तक की ओसी न होने के चलते फ्लैट धारकों को उनकी मेहनत की कमाई से लिया हुआ अपना फ्लैट तक खाली करने की नौबत आ गई। जब उन फ्लैट धारकों को कोई राह नहीं सूझी तो न्याय की आस में जन हित के लिए हर प्रकार के संघर्ष के लिए विख्यात उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी से मिलकर उन सैकड़ों लोगों ने अपना दुखड़ा बयान किया। मामले की गंभीरता और उन फ्लैट धारकों की तकलीफ देखते हुए जनसेवक गोपाल शेट्टी ने यह मामला अपने

हाथ में ले लिया और इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाकर फ्लैट धारकों के सिर पर की छत बचाने के लिए वे तुरंत 'एक्शन मोड' में आ गए। इसके बाद बीएमसी कमिश्नर से लेकर फायर ब्रिगेड मुख्यालय तक विलिंग्डन के निवासियों की छत बचाने के लिये हर सम्भव प्रयास करने तथा पत्राचार व बैठकों के दौर से लेकर मुख्य फायर ब्रिगेड अधिकारी के कार्यालय के समक्ष धरना - प्रदर्शन तक में वे शामिल हुए। इस सोसाइटी के लोगों को न्याय दिलाने में पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा से लेकर महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र जी फड़णवीस तक का पूर्ण सहयोग जनसेवक गोपाल शेट्टी को मिलता रहा।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आंदोलन के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा भी था कि उनका संघर्ष विलिंग्डन सोसायटी के लोगों के लिए तो है ही, पर बात सिर्फ विलिंग्डन की ही नहीं है, मुम्बई में ऐसी हजारों इमारतें हैं जिनके पास ओसी नहीं है। अगर विलिंग्डन के लिए इस संघर्ष को तेज नहीं किया गया तो कल इन्हीं लचीले नियम-कानूनों की आड़ लेकर अधिकारी गण अन्य हजारों इमारतों पर भी वक्र दृष्टी डाल सकते हैं और तब शांत पड़े मुम्बई शहर में बड़ा तूफान आ सकता है। जनसेवक गोपाल शेट्टी के संघर्ष, तर्क और सुझाव को भारतीय जनता पार्टी-मुंबई के वरिष्ठ नेताओं ने संज्ञान में लिया और फिर इस मामले का पूर्ण हल निकालने के प्रयास के रूप में यह शुरूआत हुई, जब मुम्बई भाजपा के तेजतर्रार अध्यक्ष अमित साटम ने एक कमिटी गठित कर दी, ताकि इस ओसी प्रकरण के लिए भविष्य में उचित और सकारात्मक परिणाम वाली ठोस योजना बनाई जा सके और बिना ओसी वाली इमारतों को आसानी से ओसी दिलाने के साथ-साथ भविष्य में बनने वाली इमारतों के लिए ओसी मिलने के कार्य में हो रही जटिलताओं को पूरी तरह से दूर किया जा सके।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इस अध्ययन (अभ्यास) कमिटी के गठन के निर्णय का स्वागत करते हुए विश्वास प्रकट किया है कि कमिटी द्वारा अहवाल प्रस्तुत करते ही संभवतः महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र जी फड़वणीस एमनेस्टी स्कीम की भी घोषणा करेंगे और पुरानी ओसी विहीन इमारतों को ओसी देने की जटिल प्रक्रिया को शिथिल और सहयोग पूर्ण करवाने के लिए संबंधित विभागों को उचित आदेश देंगे।

शिक्षक दिवस पर भारतीय सद्विचार मंच ने किया वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान

मुंबई। शिक्षक दिवस के अवसर पर महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था भारतीय सद्विचार मंच (शिक्षक प्रकोष्ठ) द्वारा दहिसर पूर्व स्थित संस्था सभागृह में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में महानगर के 10 वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक डॉ. राधेश्याम तिवारी ने की। संस्था द्वारा सम्मानित किए गए वरिष्ठ शिक्षकों में सेवानिवृत्त हरिप्रसाद पांडे, सुरेश चौबे, शिवपूजन पांडे, घनश्याम मिश्रा, राजीव कुमार मिश्रा, राजेश उपाध्याय, लालचंद पांडे, लव कुमार मिश्रा, प्रधानाचार्य राजीव मिश्रा तथा अजय तिवारी का समावेश रहा। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी श्रीकांत पांडे, हरिशंकर तिवारी, बीपी मिश्रा , डॉ . संदीप तिवारी,राम श्रिंगार उपाध्याय , जितेन्द्र चौबे,मुन्ना पाण्डेय, इन्द्रसेन सिंह, रमापति पाण्डेय, संतोष मिश्रा, संतोष (मुन्ना) मिश्रा, कमलेश दुबे आदि उपस्थित रहे। संस्था अध्यक्ष डॉ शिवश्याम तिवारी के मुख्य मार्गदर्शन तथा शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक हरिप्रसाद पाण्डेय के संयोजन में संपन्न इस कार्यक्रम का संचालन संस्था महामंत्री नागेन्द्र मिश्रा ने किया। उपाध्यक्ष बैजनाथ मिश्रा, पदाधिकारी बी.एम.गुप्ता, रत्नेश दुबे, गणेश प्रसाद पाण्डेय, सुभाषचंद्र दुबे, कमलाकांत त्रिपाठी ने अतिथियों का सम्मान किया। शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक हरिप्रसाद पाण्डेय ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला की मांग को लेकर दंडवत यात्रा पर निकले अंगद जी महाराज की बिगड़ी हालत

-आत्मा कुमार सिंह

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज मौनिया बाबा स्थल से 01 सितम्बर को सुबह 10 बजे से योग प्रचारक व महाराजगंज जिला बनाओ संघर्ष समिति के वरीय सदस्य योगी अंगद जी महाराज बहुत पुरानी जनता की मांग को लेकर। महाराजगंज को जिला बनवाने के लिए। दंडवत यात्रा कर सिसवन प्रखण्ड के बाबा महेंद्रनाथ धाम पर 4 सितंबर के शाम को अर्जी लगाने में सफल हुए ।

चार दिन की कठिन दंडवत यात्रा किसी तरह कष्ट बर्दास्त कर पाए। इस द्वारान उनकी तबियत बिगड़ गई। मौके पर संघर्ष समिति के सदस्यों ने तत्काल उन्हें सिसवन रेफरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टर के अनुसार उनका बीपी लो और कमजोरी होने के कारण तबियत बिगड़ी है। अंगद जी महाराज के अनुसार अर्जी लगाने के बाद पैदल यात्रा करते हुए पटना सीएम आवास जाकर जिला का मांग

रखते ज्ञापन सौंपना था जिसका विरोध संघर्ष समिति के नगर अध्यक्ष आत्मा कुमार सिंह, प्रखण्ड अध्यक्ष अमित सिंह ,प्रखण्ड युवा अध्यक्ष जितेन्द्र पांडेय, प्रखण्ड प्रवक्ता अजय सिंह, नगर प्रवक्ता डॉ रामनारायण पाठक, वरिष्ठ सदस्य मनंजय सिंह, अरुण सिंह ने एक स्वर में उनपर दबाव बना कर 15 दिनों लिए उनकी यात्रा रद्द करवाई। और सुझाव स्वरूप आराम करने के लिए सलाह दिया ।

सब का सलाह स्वीकार करते हुए अंगद जी महाराज अपनी यात्रा तत्काल रद्द कर दी है। लेकिन स्वस्थ होते ही संघर्ष जारी रहेगा। अब देखना होगा सरकार का क्या निर्णय आता है।

अपसा ने किया 7 वां शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन, 400 शिक्षकों को मिला अपसा शिक्षा रत्न

पटना(उत्तरशक्ति)। अन ऐडेड प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन (अपसा) के तत्वावधान में 7 वां शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय रविंद्र भवन में किया गया। समारोह का उद्घाटन राज्य सभा सांसद सह राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा के कर कमलों द्वारा किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के सी सिन्हा, डीपीओ, पटना कुमकुम पाठक, मिनर्वा इडुवेन्चर्स के जयंत भट्टाचार्या के साथ विशिष्ट अतिथि डॉ. अरुण कुमार (राष्ट्रीय अध्यक्ष - सायंस फॉर सोसायटी, बिहार), नागमणि कुशवाहा (राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाहा समाज, भारत), युवा शिक्षाविद् दीपक प्रकाश (निदेशक - सिविल्स

फोड़ो) उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए उद्घाटनकर्ता उपेन्द्र कुशवाहा ने निजी विद्यालय शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए संगठन की प्रशंसा करते हुए कहा कि अपसा संगठन की सोच बहुत ही सराहनीय है। डीपीओ कुमकुम पाठक ने सभी निजी विद्यालयों को विभागीय मदद की बात कही। विशिष्ट अतिथि नागमणि कुशवाहा ने संगठन द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की बात करते हुए कहा कि अपसा के द्वारा शिक्षकों की इस तरह से सम्मानित कर घर घर में शिक्षा की ज्योत जलाने में मदद मिलेगा। विशिष्ट अतिथि दीपक प्रकाश ने घोषणा किया कि अपने शिक्षण संस्थान के माध्यम से निजी विद्यालय की छात्र छात्राओं को स्कालरशिप की व्यवस्था करुंगा। शिक्षक सम्मान समारोह में राज्य की विभिन्न निजी विद्यालयों से आये लगभग 400 शिक्षकों को अपसा शिक्षा रत्न से सम्मानित किया गया। सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं को मोमेंटो और सम्मान पत्र प्रदान किया गया। समारोह की अध्यक्षता संगठन अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार झा के द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा राज्य के सभी निजी विद्यालयों की छात्रों एवं शिक्षकों के साथ साथ विद्यालय की सभी मूलभूत उद्देश्य को पूरा किया जाएगा। सभा को संबोधित करते हुए अपसा सचिव राकेश कुमार रंजन ने कहा कि हमारे संगठन का उद्देश्य सभी निजी विद्यालयों के लिए एक ऐसा मंच तैयार करना है जिसमें वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस करें। अपसा कोषाध्यक्ष सह प्रवक्ता डॉ. मुकेश कुमार ने समारोह का मंच संचालन किया। सभा को अपसा उपाध्यक्ष गोकुलेश उपाध्याय, अपसा महासचिव अजय कुमार वर्मा, उप सचिव सुषमा पाण्डेय, अविनाश कुमार झा , संयुक्त सचिव अमरेन्द्र कुमार, उमेश सिंह के साथ कार्यकारिणी समिति सदस्य श्लोक कुमार, प्रभात रंजन, प्रवीण जहां के साथ अन्य गणमान्य शिक्षक शिक्षिकाओं ने संबोधित किया। समारोह के अंत में सभी निजी विद्यालय संचालक, प्राचार्य एवं शिक्षकों की सहयोग एवं उपस्थिति के लिए अपसा संयुक्त सचिव उमेश सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्नान करने गए तीन दोस्तों की गंगा में डूबने से मौत

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के बमरौली रसूलपुर में शनिवार को सुबह गंगा में नहाने गए तीन बच्चे डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और बच्चों की खोजबीन में जुट गई। बताया जाता है कि नहाते समय तीनो बच्चे गंगा की तेज धारा में बह गए। कई घंटे की मशक्कत के बाद तीनों बच्चों की लाश एनडीआरएफ टीम ने बरामद कर लिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने एनडीआरएफ टीम और जल पुलिस के सहयोग से सर्च आपरेशन शुरू कर दिया। काफी देर बीत जाने के बाद भी बच्चों का पता नहीं चल सका है। घटना की जानकारी होने पर परिवार के लोग भी रोते बिलखते हुए मौके पर पहुंच गए हैं। सर्च ऑपरेशन के दौरान दो बच्चों का शव पुलिस ने बरामद किया है। मृतक बच्चों की पहचान धूमनगंज थाना क्षेत्र के मुंडेरा निवासी शौर्य, नमन और मनीष के रूप में हुई है। दोनों की उम्र 13 से 15 वर्ष के बीच है।

संघ का शताब्दी वर्ष : समाज निर्माण और संस्कृति पुनर्जागरण का महायज्ञ

-सुरेश गांधी

हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा को लेकर वर्षों से बहस चलती रही है। आलोचक इसे संकीर्ण और जातिवादी रंग देने की कोशिश करते हैं, जबकि सच्चाई इससे एकदम भिन्न है। दरअसल, हिन्दू राष्ट्र कोई राजनीतिक सत्ता का मॉडल नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का जीवन-दर्शन है। यह वह दृष्टिकोण है जो जाति और वर्ग की सीमाओं से ऊपर उठकर समाज को एक सूत्र में पिरोता है। कुंभ और संगम इसका सबसे जीवंत प्रमाण हैं। जब 65 करोड़ लोग बिना किसी भेदभाव के पवित्र डुबकी लगाते हैं, तो यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होता, बल्कि सनातन की उस विराट परंपरा का उत्सव होता है जिसमें सभी जातियाँ, सभी वर्ग और सभी प्रदेश एक साथ आते हैं। यही सनातन है, यही हिन्दू राष्ट्र की वास्तविकता है। वाराणसी, लंका स्थित विश्व संवाद केन्द्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक सुभाष जी से हमारी खास बातचीत। इस संवाद में उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष, उसकी दिशा और उद्देश्य पर विस्तार से विचार रखे। प्रस्तुत हैं वरिष्ठ पत्रकार सुरेश गांधी द्वारा पूछे गए सवाल और सुभाष जी के जवाब

संघ के शताब्दी वर्ष को आप किस दृष्टि से देखते हैं?

शताब्दी वर्ष केवल उत्सव नहीं, बल्कि महायज्ञ है। यह स्मरण का अवसर हैकृबीते सौ वर्षों में संघ ने समाज को क्या दिया। और यह संकल्प का अवसर हैकृआने वाले सौ वर्षों में भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हमें क्या करना है। शाखाओं का विस्तार, सज्जन शक्ति का संगठन, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण रक्षा, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक संरक्षण और नागरिक कर्तव्य, ये केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि नवभारत निर्माण की रूपरेखा हैं।

डॉ. हेडगेवार द्वारा शुरू की गई शाखाओं का आज क्या महत्व है?

शाखा संघ का प्राण है। 1925 में बोया गया बीज आज वटवृक्ष बन चुका है। शताब्दी वर्ष में संकल्प है कि हर मंडल, हर बस्ती और हर आध्यात्मिक स्थल पर शाखा स्थापित हो। यह केवल खेल का मैदान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का विद्यालय है, जहाँ शारीरिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास एक साथ होता है।

समाज की विविधता को संघ किस तरह देखता है?

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता में एकता है। संघ का लक्ष्य है सज्जन शक्ति को संगठित करना, ताकि अच्छाई की आवाज प्रबल हो। शताब्दी वर्ष में प्रबुद्ध जन गोष्ठियां, युवा सम्मेलन और सामाजिक सद्भावना बैठकें होंगी। जाति, पंथ, भाषा, प्रांत की दीवारें तोड़कर समरस समाज का निर्माण ही हमारा संकल्प है।

संघ परिवार और संस्कृति पर इतना जोर क्यों देता है?

परिवार भारतीय समाज का किला है। शताब्दी वर्ष में परिवार प्रबोधन पर विशेष बल है। हर घर में पूजा का स्थान हो, परंपरा जीवित रहे, भाषा-भूषा का सम्मान हो। माता-पिता बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार भी दें। संस्कारित परिवार ही राष्ट्र की आत्मा है।

आज के संदर्भ में संघ का पर्यावरण दृष्टिकोण क्या है?

प्रकृति के साथ संतुलन हमारी जिम्मेदारी है। शताब्दी वर्ष का संकल्प हैकृप्लास्टिक का बहिष्कार और जल संरक्षण। वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान को जीवनशैली का हिस्सा बनाना। समाज और प्रकृति दोनों की रक्षा संघ की प्राथमिकता है।

आत्मनिर्भरता के संदर्भ में आपका क्या कहना है?

हमारा मंत्र है, हमारा स्वाभिमान, आत्मनिर्भरता। यह केवल नारा नहीं, बल्कि शताब्दी वर्ष का मूल संकल्प है। ग्रामीण उद्योग, स्थानीय उत्पादन और कुटीर शिल्प का संरक्षण। आत्मनिर्भर समाज ही आत्मनिर्भर राष्ट्र का आधार है।

संघ संस्कृति और धरोहर को कैसे देखता है?

संघ के लिए संस्कृति केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की प्रेरणा है। मातृभाषा का सम्मान, परंपरागत जीवनशैली का पालन और सांस्कृतिक यात्राओं का आयोजन। पूजा-घर और मंदिर केवल ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि संस्कृति के संवाहक हैं।

संघ हमेशा नागरिक कर्तव्यों पर जोर क्यों देता है?

अधिकारों से पहले कर्तव्य। अनुशासन, ईमानदारी और सेवा को नागरिक धर्म बनाना होगा। राष्ट्र प्रथम, स्वयं बाद मेंकृयह भावना हर नागरिक के जीवन में उतरे, यही शताब्दी वर्ष का संदेश है।

संघ के ऐतिहासिक नायक और प्रेरणाएं कौन हैं?

डॉ. हेडगेवार संगठन के प्रणेता। गुरुजी गोलवलकर : वैचारिक आधार व शाखाओं का विस्तार। नानाजी देशमुख : ग्रामीण विकास के आदर्श। दत्तोपंत ठेंगड़ी : श्रमिक व उद्योग जगत के मार्गदर्शक। इन्हीं से प्रेरित होकर सेवा भारती, विद्यार्थी परिषद, वनवासी कल्याण आश्रम और विश्व हिंदू परिषद जैसी संस्थाएं खड़ी हुईं।

स्वतंत्रता संग्राम में संघ की क्या भूमिका रही?

संघ ने प्रत्यक्ष राजनीति से दूरी रखकर समाज को जागृत किया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में अनेक स्वयंसेवक भूमिगत रहकर सक्रिय रहे। नानाजी देशमुख और दत्तोपंत ठेंगड़ी जैसे सेनानी संघ की शाखाओं से प्रेरित हुए। संघ का मानना था कि स्वतंत्रता केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का माध्यम हो।

बहुत चर्चा होती है हिन्दू राष्ट्र को लेकर। आप इसे कैसे परिभाषित करेंगे?

हिन्दू राष्ट्र कोई राजनीतिक सत्ता का मॉडल नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का जीवन-दर्शन है। यह जाति और वर्ग से ऊपर उठकर समाज को एक सूत्र में पिरोता है। कुंभ और संगम इसका जीवंत प्रमाण हैं, जहाँ करोड़ों लोग बिना भेदभाव के एक साथ आते हैं। हिन्दू राष्ट्र का अर्थ है, जाति से परे, वर्ग से ऊपर और भेदभाव से मुक्त समाज, जहाँ हर नागरिक अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए राष्ट्र और संस्कृति को सर्वोपरि माने। मतलब साफ है, हिन्दू राष्ट्र जाति का नहीं, बल्कि सनातन का पर्याय है।

संघ के भविष्य का मार्गदर्शन कौन-सा दर्शन करेगा?

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन। इसमें व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र एक-दूसरे से जुड़े हैं। मानव और प्रकृति का संतुलन बना रहे। विकास केवल भौतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भी हो। यही भविष्य का पथ है।

थाना बरसठी पुलिस द्वारा चार आरोपियों को चोरी के आभुषण के साथ किया गिरफ्तार

बरसठी, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण एवं दिशाझनिर्देशन मे व थाना बरसठी पुलिस टीम द्वारा थाना हाजा से रवाना होकर दशमी की बारी तिराहे (बड़ेरी) पर मौजूद थे कि मुखबीर खास की सूचना पर कि -20.08.2025 की रात्रि में बड़ेरी बाजार में घटित चोरी की घटना को कारित करने वाले कुछ लोग उतिराई की तरफ से नहर के रास्ते बड़ेरी बाजार की तरफ आ रहे हैं। इस सूचन पर बडेरी बाजार नहर पुलिया के पास से मु0अ0सं0-164/25 धारा 305(अ) बीएनएस मे प्रकाश मे आये है। आरोपी किशन बनवासी पुत्र रामाश्रय बनवासी निवासी ग्राम सरैया थाना मड़ियाहूँ जनपद जौनपुर, सन्तोष बनवासी उर्फ नूनू पुत्र राजदेव निवासी ग्राम उतिराई थाना सिकरारा जौनपुर, करन बनवासी उर्फ पसेरी पुत्र राजदेव बनवासी निवासी ग्राम उतिराई थाना सिकरारा जौनपुर, राजकुमार बनवासी उर्फ केशारी पुत्र दखिनहा बनवासी निवासी ग्राम उतिराई थाना सिकरारा जौनपुर को चोरी के सोने व चांदी के आभुषण के साथ गिरफ्तार किया गया।

राज्य शिक्षक पुरस्कार से लोक भवन लखनऊ में सम्मानित किये गए प्रधानाध्यापक सतीश सिंह

सुइथाकला, जौनपुर। पूर्व माध्यमिक विद्यालय अशोकपुरकला के प्रधानाध्यापक एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सतीश सिंह को गुरुवार की देर शाम को लोक भवन लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री के साथ माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी और बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने प्रमाण पत्र, शील्ड एवं अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी शिक्षकों व उनके परिवार को कैशलेश इलाज के लिए घोषणा की। सतीश सिंह ने बताया कि यह सम्मान सभी शिक्षकों के लिए गौरव की बात है। पुरस्कार पाते ही बहुत भावुक हो गया। मेरी ज़िन्दगी का सबसे बड़ा पुरस्कार है। विधायक बदलापुर रमेशचंद्र मिश्र , विधायक शाहगंज रमेश सिंह, बीएसए डॉक्टर गोरखनाथ पटेल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

सतीश सिंह ने हाई स्कूल और इंटरमीडिएट श्री गाँधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर, बीएससी व एमएससी यूपी कॉलेज वाराणसी बीएड की शिक्षा ग्रहण की। इस उपलब्धि पर बदलापुर के विधायक रमेश चंद्र मिश्र और शाहगंज के विधायक रमेश सिंह ने खुशी जाहिर की है। कहा कि यह सम्मान प्रदेश के सभी शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत साबित होगा। उन्होंने कहा कि सतीश सिंह जनपद के सभी शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं । गांधी स्मारक विद्यालय संकुल के प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह 'रानू', पूर्व प्रधानाचार्य व स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त डॉ. रणजीत सिंह, प्रधानाचार्य डॉ. अजेय प्रताप सिंह, खंड शिक्षाधिकारी आनंद प्रकाश सिंह और सुरेश पांडेय ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उक्त लोगों ने कहा कि यह एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। एक योग्य, निष्ठावान, कर्मठ, कुशल, ईमानदार, समर्पित, कठिन परिश्रमी शिक्षक को राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। हम सब ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र ही नहीं अपितु पूरे जनपद का प्रदेश स्तर पर नाम रोशन हुआ। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रो.अरविंद सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. उमेश चंद्र तिवारी, अंग्रेजी प्रवक्ता विनय त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह, पूर्व भौतिकी प्रवक्ता विनोद तिवारी, धर्मदेव शर्मा, शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अमित कुमार सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. रणंजय सिंह व सुधाकर सिंह, अमित सिंह, शैलेंद्र बरनवाल, पारसनाथ यादव, इमरान, त्रिवेणी प्रसाद बिंद, अरविंद यादव, शशिकांत, पंकज सिंह, अजय मिश्र, तेज बहादुर सिंह, रविंद्र उपाध्याय, शिक्षक संघ के जिला मंत्री दुष्यंत मिश्रा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

मरीज की मौत पर परिजनों का हंगामा, इलाज में लापरवाही का लगाया आरोप

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के नजीराबाद मिल्लत नगर स्थित एक प्राइवेट हास्पिटल में भर्ती एक मरीज के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजन और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया।सूचना मिलने पर पहुंची कोतवाली का मौके पर मौजूद आधा दर्जन से अधिक डॉक्टरों का पुलिस से भी तीखी बहस हो गयी।

बताया जाता है की कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मोलनापुर उसरहटा निवासी 42 वर्षीय अमर नाथ शनिवार की अल सुबह पेट दर्द की शिकायत होने पर परिजनों ने उसे नगर के मिल्लतनगर स्थित लाइफ क्योर हास्पिटल में भर्ती कराया। जहां पर उसका इलाज चल रहा था।सुबह के लगभग आठ बजे मरीज की तबियत अचानक ज्यादा खराब होने के कारण हास्पिटल के डॉक्टर ने मरीज को रेफर कर दिया।अभी अस्पताल के बिल के बारे बात चीत हो रही थी की मरीज की हालत और खराब हो गयी। जिससे मरीज अमरनाथ की मौत हो गयी। वहीं मृतक की पत्नी उर्मिला देवी ने हास्पिटल के डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया और कहा की अगर मरीज की हालत बहुत खराब थी तो पहले क्यों नही रेफर किया गया।जब मेरे पति की मौत हो गयी थी तब भी नही बताया गया था। मात्र कुछ रुपयों के लिए मेरे पति की जान चली गयी।वहीं मौत की खबर सुनकर ग्रामीण भी भारी संख्या में उक्त हास्पिटल पहुंच गए और जमकर हंगामा शुरू हो गया।

डॉक्टरों और पुलिस के बीच हुई तीखी बहस

सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह भी पुलिस बल के साथ हास्पिटल पहुंचे जहां हास्पिटल के डॉक्टर सचिन मौर्या के पक्ष में नगर के आईएमए के आधा दर्जन से अधिक चिकित्सकों भी पहुंचे जहां चिकित्सकों और पुलिस में तीखी बहस भी हुई। फिलहाल मृतक अमरनाथ की पत्नी उर्मिला देवी ने पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए हास्पिटल के डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्यवाई की मांग की है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद पोस्टमार्टम हेतू जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं इस मामले में सीएमओ डॉक्टर लक्ष्मी सिंह से बात करने पर उन्होंने कहा मामले की गहनता से जांच के बाद अगर दोषी पाया जाएगा तो हास्पिटल के खिलाफ कठोर कार्यवाई की जॉयेगी। वहीं इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया की हास्पिटल के डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाई की जा रही है।

बहुत ही अदबो एहतराम के साथ मनाया गया जुलूसे मोहम्मदी

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। रामगढ़ कस्बे में बड़े ही अकीदत के साथ जुलूसे मोहम्मदी मनाया गया। जिसमे काफी संख्या में लोग मौजूद रहे जुलूस रामगढ़ मस्जिद उठा ब्लाक रोड होते हुए ।मैन मार्केट पचोखर रोड से किसान सेवा केंद्र पेट्रोल टंकी से पुराने डाक खाने से होते हुए,मस्जिद पर आकर समाप्त हुआ । आये हुए लोगो ने मोहम्मद साहब के शान में माइक से नात पढ़ते हुए और नारे तकबीर अल्लाहु अकबर की सदाये बुलंद करते रहे । जिसमे मस्जिद के मौलाना आलम कादरी नूरी ने बताया कि पैगंबर शाहब का जन्म हमे इस बात का संदेश देता है, की नफरत को मिटाया जाए और मोहब्बत में जिंदगी गुजारा जाए । आपसी व्यवहार को बेहतर बनाया जाए साथ ही बताया कि पैगंबर मोहम्मद साहब का ये 1500 वा जन्मदिन है। सुरक्षा व्यवस्था में पन्नूगंज थाना प्रभारी दिनेश कुमार पांडेय अपने मय फोर्स के साथ लगे रहे ।इस मौके पर कमेटी के सदर अकबर अंसारी, नायब सदर तेजू अंसारी,खजांची अलहम, सिकरेट्री मुजफरूल हक, मोहतमिम इजहार अली,जावेद, जहागीर खान, हसन,समीर वारसी, टीपू ,राज खान, राजू खान, हसनेंन,सलमान ,रिक्की उर्फ साहिद, सिराज, गुलाम, टाइगर, ताज खान, सुहेल, लकूम अंसारी,आदि काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। साथ ही आजाद समाज पार्टी युवा मंच के जिलाअध्यक्ष राहुल राव अपने टीम का साथ उपस्थिति होकर जुलुसे मोहम्मदी में लोगो का स्वागत किया।

विघ्नहर्ता गणेश जी का कल हुआ विसर्जन, सबकी आँखें हुई नम

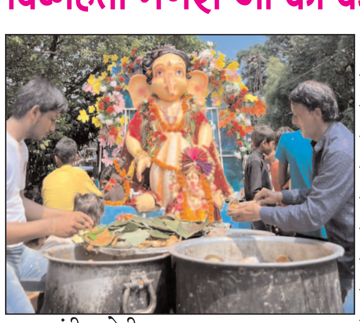

-संदीप सोनी

चाकघाट ,रीवा (उत्तराशक्ति)। नगर चाकघाट में जगह जगह रखे गणेश जी का अनंत चतुर्दशी के दिन भक्तों द्वारा विसर्जन किया गया। नगर के गल्ला मंडी, बघेड़ी चौराहा, महारानी चौरा, शांती स्वयंवर सहित खक्खा में गणेश जी का पंडाल बनाया गया था जिनका कल सभी भक्तों ने गाजे बाजे के साथ विसर्जन किया गया। विसर्जन स्थल टमस नदी शंकर घाट पर करवाया गया जहां पर पुलिस बल सहित बाढ़ आपदा प्रबंधन टीम मौजूद रही। आपको बता दे कि गणेश चतुर्थी को पूरे भारत में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है, जिसमें विघ्नहर्ता भगवान गणेश की प्रतिमा भक्तों द्वारा घरों सहित पंडाल के रूप में भी रखा जाता है। इस त्यौहार में नन्हे मुन्ने बच्चों सहित युवाओं द्वारा भगवान की प्रतिमा को विराजमान करते है। इस दौरान नगर चाकघाट में भी युवाओं का भक्तिमयता देखने को मिला। बता दे कि जगह जगह युवाओं द्वारा कमेटी का गठन कर पंडाल स्थापित किया गया जिसमें युवा संगठन कमेटी बघेड़ी चौराहा, युवा परिवर्तन कमेटी गल्ला मंडी प्रांगण एवं अन्य जगहों पर प्रतिमा रखी गई थी। सभी पंडालों में जागरण सहित भंडारे का आयोजन भी किया गया था जिसमें हजारों की संख्या में पहुंचकर श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अंतिम विदाई के रूप में 6 सितंबर को बार्डर सहित चाकघाट के अन्य जगहों पर रखे गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया, जगह जगह पर मटकी फोड़ी गई। टमस नदी में भारी पुलिस बल के साथ थाना प्रभारी मौजूद रहे ताकि विसर्जन कर रहे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या ना उत्पन्न हो।

ओम श्री सिद्धविनायक सेवा प्रसाद मित्र मंडल द्वारा भंडारे का आयोजन

डोंबिवली। अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर ओम श्री सिद्धविनायक सेवा प्रसाद मित्र मंडल द्वारा एक भव्य महा प्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन मंडल प्रमुख रमाकांत गुप्ता (नंदू शेठ) के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम आत्माराम बाजार, रेतीबंदर, डोंबिवली पश्चिम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए न केवल महा प्रसाद का वितरण किया गया, बल्कि एक भक्ति संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें सुंदर भजनों की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। यह आयोजन न सिर्फ धार्मिक आस्था को समर्पित था, बल्कि सामाजिक समरसता और सामूहिक सहभागिता का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण बना।मंडल द्वारा किए गए इस सेवा कार्य की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहें, इस आशा के साथ आयोजकों को शुभकामनाएँ दीं।

Thorium: The Future of India's Nuclear Energy

India's nuclear scientists, working under the Department of Atomic Energy, have achieved a remarkable milestone by developing a prototype Fast Breeder Reactor (FBR) that can effectively utilize thorium (^{232}90Th) as fuel. This breakthrough has the potential to ddress the long-term energy needs of our nation.

India is uniquely blessed with vast thorium reserves—running into millions of tons—particularly along the beaches of Kerala and Odisha. Harnessing this indigenous resource could provide a sustainable, reliable, and low-carbon energy pathway for decades to come.

Unlike conventional uranium-based reactors, thorium-based systems generate minimal nuclear waste, and the byproducts are short-lived compared to those from uranium or plutonium. This makes thorium not only a greener option but also a safer one from the perspective of waste management and environmental impact.

India's nuclear power strategy is guided by the well-known three-stage nuclear program envisioned by Dr. Homi J. Bhabha:

* **Stage 1–** Natural uranium fuel is used in Pressurized Heavy Water Reactors (PHWRs) to generate energy and produce plutonium.

* **Stage 2–** Fast Breeder Reactors (FBRs) employ plutonium-based fuel, simultaneously breeding more fissile material than they consume.

* **Stage 3–** Advanced thorium reactors utilize Uranium-233, bred fromThorium-232, to establish a largely self-sustaining nuclear fuel cycle.

Working:- A thorium reactor requires a small quantity of an existing fissile material—such as Uranium-233, Uranium-235, or Plutonium-239—to initiate the chain reaction. This initial fissile material acts as a "neutron driver", supplying the first set of neutrons needed to convert fertile Thorium-232 into fissile Uranium-233.

Once formed, Uranium-233 itself sustains the fission process, gradually reducing dependence on the external fissile driver. In this way, thorium reactors establish a

self-sustaining cycle, where the fertile thorium continuously breeds new fuel, ensuring long-term efficiency and energy security.

Conversion Process :-

1) ^{232}90Th captures a neutron to become ^{233}90Th. (^{232}90Th-^{233}90Th)

2) ^{233}90Th goes to ß- decay To become Protactinium 233

3) Again ß- decay converts Protactinium to U-233.

$$^{233}_{90}\mathrm{Th} \rightarrow {}^{233}_{91}\mathrm{Pa} + e^- + \bar{\nu}_e$$

$$^{233}_{91}\mathrm{Pa} \rightarrow {}^{233}_{92}\mathrm{U} + e^- + \bar{\nu}_e$$

Once Uranium-233 is produced within the reactor, it is capable of sustaining a nuclear fission chain reaction. Each fission event of U-233 releases not only a large amount of energy but also multiple neutrons. These neutrons can then be absorbe by additional Thorium-232 nuclei, converting them into fresh U-233.

In this manner, the system becomes self-breeding—where the reactor produces more fissile fuel than it consumes. This property makes thorium-based reactors exceptionally efficient and uniquely suited for ensuring India's long-term energy independence.

Nuclear Reaction:

$$^{233}_{92}\mathrm{U} + {}^{1}_{0}\mathrm{n} \rightarrow {}^{137}_{54}\mathrm{Xe} + {}^{94}_{38}\mathrm{Sr} + 3\,{}^{1}_{0}\mathrm{n} + \boxed{197.9\ \mathrm{MeV}}$$

Each thorium atom gives 197.9 MeV energy:

$$= 197.9 \times 1.6 \times 10^{-13}\ \mathrm{J} \quad [1\ \mathrm{MeV} = 1.6 \times 10^{-13}\ \mathrm{J}]$$
$$= 316.64 \times 10^{-13}\ \mathrm{J}$$
$$= 3.16 \times 10^{-11}\ \mathrm{J}$$

1 kmol of Th^{232}_{90} = 232 kg, which contains 6.02×10^{26} atoms.

Hence, energy given by 232 kg of Th is:

$$3.16 \times 10^{-11} \times 6.02 \times 10^{26}$$
$$= 3.16 \times 6.02 \times 10^{15}\ \mathrm{J}$$
$$= 19 \times 10^{15}\ \mathrm{J}$$
$$= 1.9 \times 10^{16}\ \mathrm{J}$$

If we take average consumption of 40 MW power in a district, energy used in one year is:

$$40 \times 10^{6} \times 365 \times 24 \times 60 \times 60$$
$$= 1.26 \times 10^{15}\ \mathrm{J}$$

232 kg thorium provides power for $\frac{1.9 \times 10^{16}}{1.26 \times 10^{15}} \approx$ 15 years to a district.

Of course, this is only a theoretical estimate, since in practice there are inevitable losses and no reactor can operate at 100% efficiency. Nevertheless, such calculations clearly illustrate the enormous energy potential of Thorium-232. Even a modest quantity—for example, just 232 kilograms of ^{232}90Th—is capable of powering an entire district for several years.

Given that India possesses thorium reserves of truly vast magnitude, particularly along the coasts of Kerala and Odisha, this resource could serve as a virtually inexhaustible source of clean energy for the nation.

By - Prof. Ramjanm Prajapati (Retired Physics Professor)

जावेद हबीब सैलून ने पकड़ी चौक में खोला अपना नया लग्जरी सैलून

आरा। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हेयर एंड ब्यूटी सैलून जावेद हबीब ने आरा के पकड़ी चौक स्थित अपने नए प्रीमियम सैलून की शुरूआत की। इस लग्जरी सैलून में ग्राहकों को बाल, सौंदर्य, मेकअप, नाखून आदि जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सैलून का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्व प्रसिद्ध हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब, मास्टर फ्रेंचाइजी बिहार अरविन्द कुमार, फ्रेंचाइजी ओनर संगीता वर्मा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपस्थित हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब ने कहा कि गर्मी का मौसम चल रहा है और हम सभी को अपने बालों और त्वचा को लेकर चिंताएं रहती हैं। इस मौसम में अपने बालों का ख्याल रखना बेहद जरूरी है क्योंकि उनमें नमी आ जाती है।

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ

- फ्रेक्चर
- गठिया
- कमर दर्द
- ऑथराइटिस
- कूल्हा, घुटना प्रत्यारोपण
- इत्यादि रोगो का इलाज
- सिजेरियन डिलीवरी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- ट्यूमर का ऑपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा
- बच्चे की जाँच
- नार्मल डिलीवरी

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध

नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर (उ0प्र0) 6390303050

TSMH त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ

- नवजात शिशु का आई.सी.यू. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
- निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
- समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
- हमारे यहाँ आयुष्मान कार्ड के द्वारा नवजात शिशु व बच्चों के डायलसिस की सुविधा
- निशुल्क उपलब्ध है। ▪ इत्यादि समस्त रोगो का इलाज की सुविधा।

हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ

- वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस, निमोनिया,
- लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया,
- डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी, नसों में शून्यपन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया,
- हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया, खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन
- स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर (उ0प्र0)
05452-356274/ 7992031213, 9026551423

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एम.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist | STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल

The Culture of Care

डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञा)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना
संबद्ध अस्पताल

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल
प्रदेश के लगभग 6 करोड़ लोगों के लिए 5 लाख रुपये तक के इलाज पूरी तरह से निःशुल्क

24/7 Emergency Services
24 घंटे भर्ती की सुविधा

आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी

डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653

नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।

कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर 9138828282, 8686867547

एस.आर.एस.
हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर
डा. अभय प्रताप सिंह
MBBS (KGMU), DNB(Ortho), MS (Ortho)
UCN, FIJR (Germany), MNAMS
आर्थ्रोस्कोपिक एण्ड ज्वाइंट
रिप्लेसमेन्ट आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. आनन्द त्रिपाठी
MBBS, MD, DM (Neuro)
न्यूरो फिजिशियन
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. निदा सलाम
CGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. अरविन्द कुमार अग्रहरि
MBBS, MS, MCH (Neuro)
न्यूरो सर्जन
विजिटिंग/ऑन काल
डा. एस.के. मिश्र
MBBS, MS (General Surgeon)
जनरल सर्जरी
विजिटिंग/ऑन काल
डा. चंचला मिश्रा
MBBS, MS (Obs & Gyn.)
स्त्री रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल
डा. राजेश त्रिपाठी
MBBS, MD (Anesthesia)
एनेस्थिसिया रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल
7355 358194 05452- 356555
तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर के सामने (पेट्रोल पम्प के बगल में) नईगंज तिराहा, जौनपुर

BAJAJ
ए. एम. बजाज
मो. अशहद
अब्दुल माजिद
मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139
9621032024, 9651316060, 9621139686

AMIR TRAVELS
Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL
AIR TICKETS
Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services
Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer
TV उत्तरशक्ति NEWS
Withdrawal & Deposit Money From All (atm & Adhar Services)
Passport, Pan Card & Driving License Services
Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva
Kendra Related Services 7860303530, 9616636079
प्रो0- मो0 आसिफ सिद्दीकी संवाददाता गुरैनी, मानीकलां
सह- संपादक डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी (उर्फ़ बाबू भाई) उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक, जौनपुर-लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ0 प्र0)